लखनऊ

बुधवार, 24 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 298

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

भगवान ने सिर्फ दो ही रास्ते दिए हैं। या तो देकर जाइए या फिर छोड़कर जाइए। साथ ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए सदा प्रसन्न रहें।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

राशिद हत्याकांड का तीसरा मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के चर्चित राशिद हत्याकांड में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मंगलवार तड़के एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद मामले के तीसरे मुख्य आरोपी हारून सैफी को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक स्कूटी बरामद की है। दिल्ली पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान 24 वर्षीय हारून सैफी के रूप में हुई। वह उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में हुए राशिद हत्याकांड में वांछित था और लंबे समय से फरार था।पुलिस को मंगलवार तड़के हारून की मौजूदगी के संबंध में विशेष सूचना मिली। इसके बाद उत्तर-पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने सिग्नेचर ब्रिज और खजूरी खास मेट्रो स्टेशन के बीच इलाके में घेराबंदी कर उसे पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी और पुलिस के बीच कुछ देर तक गोलीबारी हुई। जवाबी कार्रवाई में हारून के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया। पुलिस ने बताया कि हारून के पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक स्कूटी बरामद की गई है। उसके खिलाफ दयालपुर थाने में दर्ज एफआईआर के तहत भारतीय न्याय संहिता तथा आर्म्स एक्ट की धारा के अंतर्गत मामला दर्ज है। जांच के मुताबिक 15 जून को दयालपुर इलाके में राशिद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस का कहना है कि यह वारदात अनवर ठाकुर-हारून गैंग और नसीम गैंग के बीच पुरानी गैंगवार और आपसी रंजिश का नतीजा थी।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने इस्तीफा दिया, राष्ट्रपति ने स्वीकारा

नईदिल्ली,23 जून(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार से अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकार कर लिया। कुरियन केरलम में भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। उनको 6 साल पहले राज्यसभा लाया गया था और 2024 में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया। उनका राज्यसभा का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो गया था, जिसके बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। कुरियन मोदी सरकार में इकलौते ईसाई मंत्री थे। वे अल्पसंख्यक मामलों के साथ ही मत्स्य पालन राज्य मंत्री का प्रभार भी संभाल रहे थे। भाजपा ने पहले ही संकेत दिया था कि वह कुरियन को राज्यसभा में दूसरी बार नहीं भेज रही है। उनकी जगह मध्य प्रदेश से भाजपा के महासचिव तरुण चुग को राज्यसभा भेजा गया है। चर्चा है कि केरल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन के कारण उनको दोबारा मनोनित नहीं किया गया। कुरियन (65) अगस्त 2024 से मोदी की तीसरी कैबिनेट में राज्य मंत्री थे। वे केरल में भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और सुप्रीम कोर्ट में वकील रह चुके हैं। उनको जून, 2024 में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन मंत्रालय का जिम्मा दिया गया था।

कॉकरोच जनता पार्टी दहशतगर्तों की B टीम: शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर इस्तीफा मांग रही कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस संगठन को देश में अशांति फैलाने वाले तत्वों की 'बी-टीम' करार दिया है। प्रधान ने साफ कहा कि जो लोग लोकतंत्र में जनता द्वारा पूरी तरह खारिज कर दिए गए हैं, वे अब भेष बदलकर देश के सिस्टम को निशाना बना रहे हैं। उनका यह बयान उस समय आया है जब एक दिन पहले ही देश भर में 22 लाख से अधिक मेडिकल उम्मीदवारों ने दोबारा आयोजित हुई नीट परीक्षा शांतिपूर्वक दी है। शिक्षा मंत्री ने परीक्षा के सफल आयोजन पर संतोष जताया।

शिक्षा मंत्री ने सीजेपी को देश तोड़ने वाली ताकतों की बी-टीम क्यों कहा?

नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी के बाद से ही विपक्षी संगठन और सीजेपी लगातार शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। इस पर पलटवार करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह संगठन देश विरोधी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग उन ताकतों के लिए नारेबाजी करते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं। प्रधान के मुताबिक इन सभी चेहरों की पहचान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को देश की तरक्की और सिस्टम पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। इसीलिए वे हर व्यवस्था पर जानबूझकर सवाल उठा रहे हैं।

रक्षक ही भक्षक बने टीचर्स पर धर्मेंद्र प्रधान ने क्या एक्शन लिया?

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उन टीचर्स पर भी अपना भयंकर गुस्सा जाहिर किया जो इस लीक कांड में शामिल पाए गए हैं। उन्होंने इन आरोपी टीचर्स को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि 'रक्षक ही अब भक्षक बन गए हैं'। सरकार अब उन सभी लोगों की गहन जांच कर रही है जिन्हें परीक्षा की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस बड़ी गड़बड़ के बाद पूरे सिस्टम की स्क्रूटनी की जा रही है। सरकार का दावा है कि परीक्षा की विश्वसनीयता को दोबारा बहाल करने के लिए दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने जॉइंट ऑपरेशन में हथियारों का जखीरा बरामद किया

तेजपुर। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में तीन दिनों तक उग्रवाद विरोधी अभियान चलाया। जॉइंट ऑपरेशन के बाद हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा जखीरा बरामद किया गया।

मणिपुर पुलिस ने एक्स पोस्ट में बताया कि हथियारबंद उग्रवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, 20 जून को मणिपुर पुलिस, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, रैपिड एक्शन फोर्स, कोबरा यूनिट्स और इंडियन आर्मी ने मिलकर कांगपोकपी जिले के लीलोन वैफेई, लीलोन मुनलुई, मोल्होई, पी। मोल्डिंग, लीलोन खुनौ और आस-पास के इलाकों में ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाकर्मियों पर संदिग्ध उग्रवादियों ने गोलियां चलाईं, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी हुई।

पेपर लीक के गंभीर आरोपों के बाद पुरानी परीक्षा को पूरी तरह रद्द कर दिया गया था। इसके बाद दोबारा परीक्षा कराने के लिए सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था तैयार की। इस बार नीट परीक्षा को बेहद सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए देश के सशस्त्र बलों और राज्य पुलिस यूनिट्स को तैनात किया गया था।

परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए सीनियर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। नेशनल टेस्टिंग बॉडी ने दावा किया है कि छात्रों को एक पारदर्शी माहौल देने के लिए हर मुमकिन कोशिश की गई थी। इस मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा घेरे के कारण ही परीक्षा बिना किसी गड़बड़ के पूरी हुई।

नक्सलवाद के बाद अब घुसपैठ पर प्रहार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तय करेंगे खात्मे की 'डेडलाइन'

नई दिल्ली, एजेंसी। देश से नक्सलवाद के लगभग खात्मे के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फोकस घुसपैठ रोकने पर है। आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे को मजबूत करने के लिए जल्द ही घुसपैठ के खात्मे के लिए भी वैसी ही समयसीमा तय की जा सकती है जैसे कि नक्सलवाद के खात्मे के लिए की गई थी। शाह ने देश से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाईन तय की थी। ये समय सीमा बीतने के बाद उन्होंने संसद को बताया था कि देश से नक्सलवाद करीब-करीब खत्म किया जा चुका है। इसकी पुष्टि सुरक्षा एजेंसियों ने भी की थी।

जानकारी के मुताबिक, देश में अवैध घुसपैठ को पूरी तरह खत्म करने और घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापिस भेजने के लिए अभियान चल रहा है। सरकार का मानना है कि अगर इसके लिए एक डेडलाईन अगर तय की जाएगी तो सभी राज्य और सभी एजेंसियां मिलकर समन्वय के साथ उस समय सीमा के तहत इसको खत्म करने के लिए मिशन मोड में काम करेगी। देश में घुसपैठ और अवैध रूप से रह रहे लोगों का जायजा लेने के लिए हाल ही मे गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात, राजस्थान और त्रिपुरा का दौरा किया था। अमित शाह पश्चिम बंगाल भी जाएंगे और समीक्षा करेंगे। अभी अलग अलग राज्य सरकारों के साथ ही सुरक्षा एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल के साथ इस काम को पूरा किया जा रहा है। इसके तहत डिडेक्ट, डिटेन और डिपोर्ट की तीन चरणों की रणनीति अपनाई गई है, जिसकी लगातार जमीनी मॉनीटिरिंग भी की जा रही है। घुसपैठ खत्म करने के लिए केंद्र सरकार जीरो इनफिल्ट्रेशन की नीति पर काम कर रही है।

'फाइलों में अनगिनत नागरिकों की आकांक्षा-जिंदगियां'

युवा IAS अधिकारियों से पीएम मोदी का संवाद, दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के 'सेवा तीर्थ' में 2024 बैच के 183 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। ये सभी अधिकारी केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में तैनात हैं। इस दौरान युवा अधिकारियों ने अपने फील्ड प्रशिक्षण और मंत्रालयों के कामकाज के अनुभव साझा किए।

प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दो साल के जमीनी अनुभव के बाद वे अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, जहां उनके फैसले करोड़ों नागरिकों का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने जोर दिया कि लोक सेवा की असली परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक स्थितियों को संभालने में है।

प्रधानमंत्री ने युवा सिविल सेवकों से राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने का आग्रह किया। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' का मंत्र देते हुए कहा कि हर प्रशासनिक फाइल के पीछे एक इंसान की उम्मीदें, चिंताएं और जीवन छिपा होता है। अधिकारियों को हर फैसला लेते समय नागरिकों को केंद्र में रखना चाहिए। उन्होंने शासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने 'होल-ऑफ-गवर्नमेंट' यानी पूरे सरकारी तंत्र के एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि बड़ी विकास चुनौतियों को अलग-अलग रहकर हल नहीं किया जा सकता। विभागों के बीच बेहतर तालमेल ही सार्थक और स्थायी परिणाम ला सकता है।

'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दशकों में हर नीति और प्रशासनिक फैसला देश के विकास में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने को आज की प्राथमिकता बताया। पिछले दशक में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब प्रशासन प्रक्रिया के बजाय परिणामों पर ध्यान देता है। उन्होंने डिजिटल गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक से सेवाओं में पारदर्शिता आई है और नागरिकों का काम आसान हुआ है।

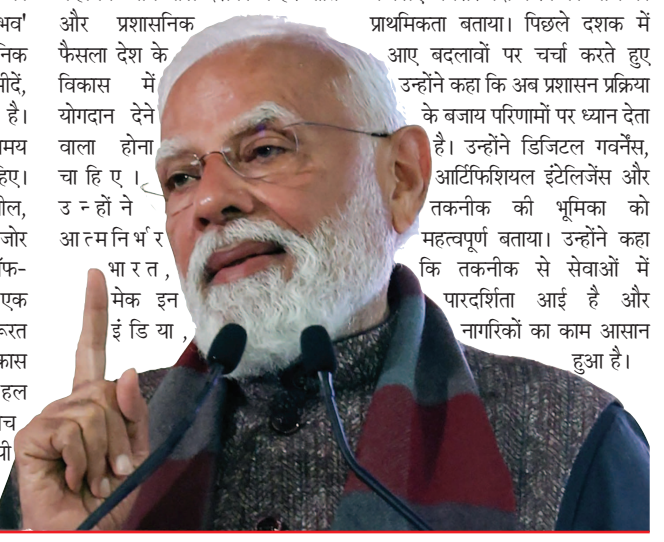

कंफर्म ट्रेन की टिकट से जुर्माने तक... 1 जुलाई से बदल रहे नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। बिना सही टिकट के ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को जल्द ही भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। केंद्र सरकार ने 'जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026' के तहत किए जा रहे बड़े बदलावों के हिस्से के तौर पर, बिना टिकट के सफर करने पर लगने वाले कम से कम जुर्माने को 250 से बढ़ाकर 500 रुपए करने का प्रस्ताव रखा है।

TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को जानकारी दी है कि इस कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। उम्मीद है कि रेलवे अधिनियम, 1989 में किए गए ये संशोधन एक अलग नोटिफिकेशन के जरिए लागू होंगे और इन्हें 1 जुलाई से ही लागू किया जा सकता है। सबसे बड़े बदलावों में से एक उन यात्रियों पर असर डालेगा जो बिना सही रेलवे टिकट पर सफर करते हैं। संशोधित धारा 137 में कहा गया है कि जो यात्री बिना टिकट सफर करते हुए या पहले इस्तेमाल हो चुके टिकट का इस्तेमाल करते हुए पाए जाएंगे, उन्हें लागू किराया और अतिरिक्त शुल्क देना होगा। कम से कम जुर्माना 250 रुपए बढ़कर 500 रुपए हो जाएगा। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि जो यात्री जरूरी शुल्क नहीं चुका पाएंगे, उन्हें सक्षम अदालत में कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। प्रस्तावित संशोधनों में किसी और के रेलवे टिकट के इस्तेमाल से जुड़े नियमों को भी सख्त किया गया है। किसी और के नाम पर जारी टिकट पर सफर करने वाले यात्रियों के टिकट जब्त किए जा सकते हैं। उन्हें किराया और अतिरिक्त शुल्क भी देना होगा, जिसमें कम से कम 500 रुपये का भुगतान करना जरूरी होगा। इस कदम का मकसद रिजर्व टिकटों के गलत इस्तेमाल को रोकना और रेलवे नियमों का बेहतर पालन सुनिश्चित करना है।

सरकार ने रेलवे परिसर में बिना इजाजत सामान बेचने और भीख मांगने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव रखा है। बिना इजाजत सामान बेचने वालों और भिखारियों पर 2,000 रुपये का जुर्माना लग सकता है। बार-बार ऐसा करने वालों को एक साल तक की जेल भी हो सकती है। संशोधनों में खास तौर पर रेलवे कोच और स्टेशन परिसर के अंदर भीख मांगने पर रोक लगाई गई है।

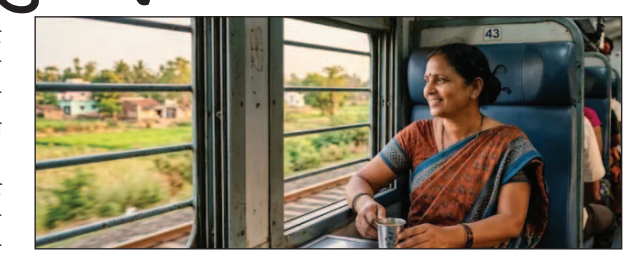

राष्ट्रपति मुर्मू के हाथों मिला सम्मान, तो खिल उठे चेहरे, 65 दिग्गजों को मिला सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल में आयोजित एक भव्य नागरिक अलंकरण समारोह में देश की विभिन्न जानी-मानी हस्तियों को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों से सम्मानित किया। कला, सिनेमा, पत्रकारिता और न्याय के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाली विभूतियों को राष्ट्रपति के हाथों यह सम्मान मिला।

सिनेमा और संगीत की दुनिया में दशकों तक राज करने वाले दो बड़े नामों को राष्ट्रपति ने पद्म भूषण से नवाजा। मलयालम सिनेमा के दिग्गज और वरिष्ठ अभिनेता ममूटी को कला के क्षेत्र में उनके बेमिसाल योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। वहीं, अपनी जादुई आवाज से करोड़ों दिलों को जीतने वाली देश की सुप्रसिद्ध पाश्वर् गायिका अलका याग्निक को भी

के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं मूल्यवान योगदान के लिए राष्ट्रपति द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। देश की न्याय व्यवस्था को नई दिशा देने वाले उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश केटी थॉमस को कानून और सार्वजनिक मामलों में उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए पद्म विभूषण प्रदान किया गया। इस गरिमामयी समारोह में प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री सहित कई अन्य गणमान्य नागरिक और वीवीआईपी मौजूद रहे। सभी पुरस्कार विजेताओं को देश के विकास और समाज में उनके असाधारण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म भूषण से अलंकृत किया।

पी नारायणन और पूर्व जस्टिस केटी थॉमस 'पद्म विभूषण' से सम्मानित

देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' की श्रेणी में दो प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ मलयालम पत्रकार पी नारायणन को पत्रकारिता और साहित्य

लखनऊ अग्निकांड: इमारत और एनिमेशन सेंटर के मालिक समेत 4 गिरफ्तार, 4 अधिकारी भी निलंबित

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को एक व्यावसायिक इमारत में लगी आग के बाद पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने अलीगंज थाने में 6 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है, जिसमें इमारत के मालिक और एनिमेशन सेंटर के संचालक समेत 4 गिरफ्तार किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 4 संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

पुलिस ने सोमवार रात को इमारत के मालिक मदेयगंज निवासी वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, पेट शॉप के मालिक अलीगंज निवासी रामकृष्ण उपाध्याय, एनिमेशन सेंटर के संचालक बालागंज निवासी तूशॉक कृष्णा जायसवाल और किरायेदार सुरेश कुमार शाहू निवासी केशवनगर को गिरफ्तार कर लिया है। प्राथमिकी में दर्ज नामजद आरोपी धीरेंद्र शुक्ला और सुरेंद्र शुक्ला की तलाश जारी है। साथ ही, अन्य अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और अग्निशमन संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

मुख्यमंत्री योगी ने घटना को लेकर देर रात उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने दोषियों का पता लगाने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की है। एसआईटी 7 दिन में रिपोर्ट सौंपेगी। फिलहाल, मुख्यमंत्री के निर्देश पर 4 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जिसमें प्रथम दृष्ट्या दोषी पाए गए गौरव कुमार (बिजली विभाग), कमलेंद्र कुमार सिंह, (दमकल विभाग), अनिल कुमार और प्रमोद पांडे (लखनऊ विकास प्राधिकरण) शामिल हैं। अभी 15 और इंजीनियरों पर गाज गिरेगी।

अलीगंज के उषा मेहता रोड स्थित एक 3 मंजिला व्यावसायिक इमारत में सोमवार दोपहर 2 बजे आग लगी थी। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर पेट शॉप, दूसरी और तीसरी मंजिल पर एनिमेशन सेंटर चल रहा था। दोपहर को एनिमेशन सेंटर में आग लगी, जो नीचे तक फैल गई। घटना के समय सेंटर में 30 बच्चे थे, जिसमें 10 बिजली के तार के सहारे नीचे उतर गए, जबकि 15 की मौत हो गई। अधिकतर की दम घुटने से मौत हुई है।

व्यावसायिक इमारत के मालिक का आपराधिक इतिहास

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज में जिस 3 मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लगने से 15 लोगों की मौत हुई है, उसके मालिक का आपराधिक इतिहास बताया जा रहा है। इमारत के मालिक वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला हैं और सह-मालिक सुरेंद्र शुक्ला हैं। सुरेंद्र का नाम 2015 में संयुक्त प्री-मेडिकल टेस्ट (सीपीएमटी) पेपर लीक से जुड़ा हुआ है। उनके खिलाफ एफआईआर तक दर्ज है। वह पुलिस की हिरासत में हैं, जबकि वीरेंद्र प्रसाद अभी फरार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरेंद्र रामेश्वरम इंस्टीट्यूट के संचालक भी हैं। उन्होंने वर्ष 2015 में अपनी बेटी के लिए सीपीएमटी पेपर लीक की साजिश रची थी और परीक्षा केंद्र में सुविधा उपलब्ध कराई थी। तब परीक्षा में 'सी' सिरीज का पेपर लीक हुआ था, जिसमें रामेश्वरम इंस्टीट्यूट का नाम आया था। सुरेंद्र का नाम प्रारंभिक आरोपपत्र में था। हालांकि, विशेष जांच दल ने सबूत के अभाव में उन्हें बरी कर दिया था। सुरेंद्र का नाम जहां पेपर लीक में जुड़ा है, वहीं उनके भाई वीरेंद्र शुक्ला का नाम जमीन सौदे से जुड़े मामलों में पाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वीरेंद्र सुरेंद्र के बड़े भाई हैं और खाक हुई इमारत के दूसरे मालिक हैं।

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के जोर पकड़ने के साथ ही महाराष्ट्र में हुई झमाझम बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही मॉनसून की बारिश अभी तक दिल्ली और उत्तर भारत के कई हिस्सों में नहीं पहुंची है, लेकिन बेमौसम बारिश ने कुछ इलाकों में भीषण गर्मी से राहत दी है। राष्ट्रीय राजधानी में मौसम के बदलते मिजाज कभी धूप तो कभी घने बादल की वजह से तापमान कम बना हुआ है। मौसम विभाग ने यह अनुमान लगाया है कि 23 जून से 26 जून के बीच मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। आईएमडी के अनुसार सोमवार को सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस था, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम रहा। पालम में तापमान 24.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रिज और आया नगर में तापमान क्रमशः 24.6 डिग्री सेल्सियस और 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जेष्ठ मास के अंतिम मंगल को शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन

सुल्तानपुर। भीषण गर्मी और उमस के बीच मंगलवार को देव कॉम्प्लेक्स, गोलाघाट में राहगीरों एवं आमजन के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें पत्रकारों, समाजसेवियों एवं अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रशांत सिंह एडवोकेट, मनोज सिंह, ओम प्रकाश सिंह एडवोकेट, विकास सिंह एडवोकेट, विनीत बरनवाल एडवोकेट, गणेश बरनवाल एडवोकेट, कुलदीप श्रीवास्तव एडवोकेट,पुष्पेंद्र कुमार द्विवेदी एडवोकेट, शैलेंद्र, सतीश चंद्र शुक्ला (इंजीनियर), शिवम पांडे, वरिष्ठ नेता अशोक विशेष सिंह, सतीश कुमार शुक्ला, अशोक कुमार दुबे, शैलेश श्रीवास्तव एडवोकेट, संजय द्विवेदी, उमाशंकर सिंह एवं अनिल कुमार मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद सुल्तानपुर प्रशासन सख्त, कोचिंग सेंटरों पर चला औचक निरीक्षण अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। राजधानी लखनऊ में एक कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड में 15 छात्र-छात्राओं की दर्दनाक मौत के बाद पूरे प्रदेश में प्रशासनिक सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में जनपद सुल्तानपुर में जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक चारु निगम एवं उपजिलाधिकारी सदर उत्तम तिवारी ने संयुक्त रूप से सिविल लाइन क्षेत्र स्थित मेहमान होटल के बगल संचालित कोहिनूर इंडिया कोचिंग संस्थान का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भवन की संरचनात्मक सुरक्षा, आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्र, विद्युत वायरिंग, सीढ़ियों की चौड़ाई, वेंटिलेशन व्यवस्था तथा

छात्रों की क्षमता के अनुरूप सुरक्षा मानकों की गहन जांच की। टीम ने यह भी देखा कि संस्थान में अग्निकांड या अन्य आपदा की स्थिति में बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने की क्या व्यवस्था है। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश फायर प्रिवेंशन एंड फायर सेफ्टी एक्ट, नगर निकाय के भवन सुरक्षा मानक तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत सभी कोचिंग संस्थानों को सुरक्षा संबंधी नियमों का पूर्ण पालन करना अनिवार्य है। किसी भी संस्थान में अग्निशमन उपकरण, सुरक्षित निकासी मार्ग या अन्य सुरक्षा मानकों की कमी पाए जाने पर संबंधित संचालक के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि जांच के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी या प्रशासनिक आदेशों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित संस्थान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं सहित अन्य कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी सदर उत्तम तिवारी ने बताया कि जनपद के सभी कोचिंग सेंटरों को प्रशासन की ओर से गाइडलाइन जारी कर दी गई है। इसमें भवन सुरक्षा प्रमाणपत्र, अग्निशमन विभाग की एनओसी, आपातकालीन निकास व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा मानक और छात्रों की क्षमता के अनुसार सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि बच्चों के भविष्य और जीवन के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले कोचिंग संचालकों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई तय है। लखनऊ की घटना के बाद सुल्तानपुर प्रशासन का यह अभियान जिले के अन्य कोचिंग संस्थानों में भी लगातार जारी रहेगा।

व्यावसायिक अध्ययन केन्द्रों के लिए बनें नियम: ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि

सुल्तानपुर। देश के विभिन्न हिस्सों में कोचिंग संस्थानों और बड़ी बिल्डिंग्स में भयावह आग से कई जानें गईं हैं। ऐसे में गली मुहल्लों और छोटी बाजारों में धड़ल्ले के साथ खुल रहे अध्ययन केन्द्रों को नियम कानून के दायरे में रखना जरूरी हो गया है। यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहीं। उन्होंने कहा कि व्यवसायिक कारणों से आजकल लाइब्रेरी शब्द का अर्थ ही बदल दिया गया है। जहां पुस्तकें नहीं है उसे पुस्तकालय कहा जा रहा है जबकि यह सभी वाचनालय हैं। इन्हें अध्ययन केंद्र या स्टडी रुम कहना चाहिए लाइब्रेरी नहीं। प्रशासन और समाज को मिलकर इसके लिए जागरूक होने की जरूरत है। समाजसेवी शिक्षाविद ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहा कि वाचनालय जिन्हें आजकल लाइब्रेरी कहा जा रहा है।

साढ़े पांच क्विंटल फलों से किया गया बड़े हनुमान जी का श्रृंगार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में भोर से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। संगम तट स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर (लेटे हनुमान जी) में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। प्रातःकाल महंत बलबीर गिरी ने विधि-विधान से पंच द्रव्य से बजरंगबली का अभिषेक और स्नान कराया।

इसके उपरांत लगभग 5.5 क्विंटल फलों से भगवान का दिव्य और आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस श्रृंगार में डेढ़ क्विंटल आम, ढाई क्विंटल सेब, एक क्विंटल संतरा, एक क्विंटल अनार तथा पचास दर्जन केले सहित विभिन्न प्रकार के फलों का उपयोग हुआ। मंदिर परिसर को सुगंधित देसी और विदेशी फूलों से भी भव्य रूप से सजाया गया था।

विशेष श्रृंगार के उपरांत महंत बलबीर गिरी ने बजरंगबली की विशेष आरती संपन्न कराई। इसके बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए, जहां हजारों भक्तों ने बजरंगबली के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के सामूहिक पाठ से आध्यात्मिक वातावरण और अधिक भक्तिमय हो गया। महाआरती के बाद संकटमोचन को 56 भोग अर्पित करने की भी तैयारी की गई। बड़े मंगल के अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं को पूड़ी-सब्जी, हलवा, बूंदी और शीतल शर्बत का प्रसाद वितरित किया जा रहा था। भीषण गर्मी के बावजूद, आस्था का उत्साह चरम पर रहा और पूरा प्रयागराज 'जय श्रीराम' और 'जय बजरंगबली' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

लखनऊ अग्निकांड के बाद जागा केडीए, कानपुर में फिजिक्स वाला समेत 16 कोचिंग सेंटर सील

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। लखनऊ में कोचिंग मंडी में आग लगने से 15 छात्रों की मौत के बाद केडीए का अमला जागा है। उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक के आदेश पर केडीए के प्रवर्तन दस्ते ने सोमवार शाम को निकलकर नक्शे के विपरीत बने और बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां मिलने पर कोचिंग संस्थाओं और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील कर दिया।

दस्ते ने तीन घंटे की कार्रवाई में 16 प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। साथ ही 22 प्रतिष्ठानों को चिह्नित किया गया है। इनको नोटिस दी जा रही है। मंगलवार को अभियन चलाकर कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में पिछले दिनों होटल में आग लगने के बाद केडीए ने एक दर्जन बेसमेंटों को सील किया था और कई को नोटिस दिया था। इसके बाद मामला शांत होने के बाद दस्ता भी शांत हो गया।

वर्तमान समय में सर्वे कराया तो करीब तीन हजार बेसमेंट ऐसे होगे जिनका प्रयोग पार्किंग व स्टोर की जगह व्यावसायिक गतिविधियों में प्रयोग किया जा रहा है।

जेके मंदिर लाजपत नगर से मरियमपुर चौराहा और गुमटी क्रासिंग जीटी रोड से ब्रह्मनगर चौराहा तक करीब 80 से ज्यादा बेसमेंट है जिनका प्रयोग रेस्टोरेंट, कोचिंग, लाइब्रेरी, लैब आदि के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। अब लखनऊ में कोचिंग मंडी में आग लगने के बाद केडीए का दस्ता भी शाम को निकल पड़ा। कोचिंग काकादेव में विद्यापीठ,फिजिक्स वाला, संजीव राठौर कोचिंग, वर्क स्पेस समेत 16 कोचिंग संसाधन और व्यावसायिक प्रतिष्ठिन सील कर दिए।

जोन एक के दस्ते ने तीन, जोन दो बी के दस्ते ने पांच, जोन तीन के दस्ते ने तीन और जोन पांच के दस्ते ने पांच प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। साथ ही 22 अन्य प्रतिष्ठिानों को चिह्नित किया है। इनको भी सील किया जाएगा।

प्रतापगढ़ में बीज भंडार संचालक की नहर में मिली लाश, हत्या की आशंका ; पास ही बीज कंपनी एजेंट घायल मिला

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद में आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के लाखीपुर गांव के निवासी 45 वर्षीय ओम प्रकाश वर्मा की सोमवार रात संदिग्ध दशा में मौत हो गई। उनकी लाश मंगलवार सुबह दयालगंज बाजार के नजदीक नहर में लोगों ने देखी। इससे खलबली मच गई। यह भी बताया गया कि घटनास्थल के निकट ही एक बीज कंपनी के एजेंट धरौली गांव के बृजेश यादव घायल दशा में पाया गया।

बताया जाता है कि ओम प्रकाश वर्मा और बृजेश यादव सोमवार की रात में साथ में ही बाइक से कहीं जाने के लिए घरों से निकले थे। जब काफी रात होने के बाद भी वापस नहीं लौटे तो दोनों को उनके घरवाले पूरी रात खोजते रहे। सुबह ओम प्रकाश वर्मा की लाश मिली, जबकि बृजेश यादव घायल अवस्था में पाया गया।

ओमप्रकाश वर्मा उर्फ ओपी गुरू की संदिग्ध मौत पर परिवार के सदस्य हत्या की आशंका जता रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की। वहां जिस बाइक से दोनों गए थे, नहीं मिली। अभी स्थिति बहुत साफ नहीं हुई है।

इस संबंध में सीओ पट्टी मनोज रघुवंशी का कहना है कि घायल को उपचार के लिए प्रयागराज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं ओमप्रकाश की लाश को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हर पहलुओं पर जांच की जा रही है।

कानपुर में गंगा में नहाते समय डूबे चार दोस्त, तीन को बचाया गया, एक किशोर की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। परमट घाट पर मंगलवार भोर में गंगा नहाने के दौरान चार किशोर दोस्त डूबने लगे। शोर सुनकर नाविकों ने तीन को तो बचा लिया, लेकिन तीसरा किशोर गहराई में जाने से डूब गया। गोताखोरों की मदद से काफी देर बाद उसकी तलाश की जा सकी, लेकिन तब तक की उसकी मौत हो चुकी थी।

बर्रा के जरौली फेस-1 निवासी 14 वर्षीय गोलू साहू के मुताबिक, वह जरौली में रहने वाले दोस्त 14 वर्षीय अर्पित, 14 वर्षीय शिवम गुप्ता, 12 वर्षीय सत्यम, खाड़ेपुर नई बस्ती निवासी 14 वर्षीय सागर के साथ परमट घाट पर नहाने गए थे।

लेकिन वह उन सभी के कपड़े देखने के लिए बाहर ही बैठा था, जबकि चारों नहाते हुए आगे जाने लगे। उन्होंने आवाज देकर घाट के पास ही रहने को कहा था, लेकिन इसीबीच वे लोग गहराई में जाने से डूबने लगे। शोर मचने पर आसपास रहे नाविकों ने गंगा में छलांग लगा दी।

उनकी मदद से अर्पित, सत्यम व सागर को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन शिवम डूब गया। काफी तलाश के बाद उसका शव मिला। ग्वालटोली थाना प्रभारी मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि बच्चों के स्वजन को जानकारी दे दी है। सभी बच्चे नहाने आए थे।

एक कदम शिक्षा की ओर के तत्वाधान में प्रतियोगिता आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। एक कदम शिक्षा की ओर ग्राम सभा पाखरौली सुल्तानपुर के तत्वाधान में ग्राम सभा परिगडा छापर महारानी पश्चिम में प्रतियोगिता परीक्षा कराई गई जिसमें प्राथमिक के 40 बच्चे तथा उच्च प्राथमिक के 75 बालक बालिकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें प्राथमिक में प्रथम स्थान अनुभव द्वितीय स्थान शिवांशु गौतम तृतीय स्थान नेहा कुमारी एवं आदर्श तथा उच्च प्राथमिक में प्रथम स्थान सेजल द्वितीय स्थान अंश प्रताप रावत तृतीय स्थान दिव्यांशु रावत एवं अंशिका प्राप्त किया। बच्चों को विशेष पुरस्कार और बच्चों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया और बच्चों को नवोदय विद्यालय का प्रवेश परीक्षा एवं इसका स्कॉलरशिप के बारे में बच्चों को विशेष जानकारी दिया गया आज इस कार्यक्रम में लेखई राम बौद्ध हौसला प्रसाद

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक, जैसराज भीम प्रधानाध्यापक, राधेश्याम, नीतू, अंजू, राजेंद्र प्रसाद, शशि प्रकाश ग्राम प्रधान रमेश चन्द्र, अमन, रामलाल ,शिव आसरे, मोनू, राज बहादुर, अनिल कुमार तथा मुख्य आयोजक सुरेश कुमार मंडलीय सचिव ऑल इंडिया पोस्टल एससी/एसटी इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन सुल्तानपुर की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यूपी में पहुंच गया मानसून, सोनभद्र नहीं बलिया के रास्ते मानसूनी सक्रियता ने दी दस्तक, बौछार के लिए हो जाएं तैयार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में आखरिकार बहुप्रतीक्षित मानसून ने बलिया जिले के रास्ते दस्तक दे दी है। मंगलवार को दो दिनों की देरी के बाद आखरिकार मानसून ने सोनभद्र के परंपरागत रास्ते को धता बताते हुए बलिया जिले की पूर्वी सीमा के रास्ते उत्तर प्रदेश में दस्तक दे दी है।

माना जा रहा है कि आजमगढ़ मंडल के जिले के रास्ते यूपी में पहुंचा मानसून अब जल्द ही अन्य जिलों में प्रवेश कर बारिश से सराबोर करेगा। दो दिनों से जिस गति से मानसून ने राहत देना शुरू किया है उस हिसाब से माना जा रहा है कि पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी मानसूनी सक्रियता का दौर जल्द ही नजर आएगा और मानसूनी बादल गर्मी से राहत भी देंगे। हालांकि दूसरी ओर हीट वेव का पूर्वांचल में मौसम विभाग का अलर्ट

भी अब खत्म होने की ओर है।

मानसून वैसे तो तय समय पर देश में आ गया था लेकिन पूर्व में पटना तक आने के बाद सप्ताह भर से अधिक समय तक मानसून ठिठक गया था। अनुमान जताया जा रहा था कि मानसूनी सक्रियता पूर्व की भांति सोनभद्र के रास्ते ही प्रदेश में दस्तक देगा। लेकिन मानसून की गति पूर्व की ओर से तेज रही और मौसम विभाग की ओर से मंगलवार की दोपहर में जारी चार्ट के अनुसार बलिया जिले के पूर्वी या बिहार से सटे क्षेत्रों तक मानसूनी रेखा सक्रिय होकर मानसूनी बादलों की आवाजाही का माहौल बना रही है।

मौसम विभाग ने दो दिनों से लगातार मानसूनी सक्रियता का आंकड़ा जारी किया है। एक ओर बलिया जिले से उत्तर प्रदेश में मानसूनी सक्रियता दाखिल हो चुकी है तो दूसरी ओर 50 से सौ किलोमीटर तक की मानसूनी रेखा की दूरी सोनभद्र से भी बनी हुई है। जबकि यहां भी मानसून दस्तक देने के करीब आ चुका है। ऐसे में बलिया के रास्ते यूपी में प्रवेश करने वाला मानसून जो बीच जून तक आ जाता था वह लगभग दो दिनों की देरी के बाद 23 जून को प्रदेश में दस्तक दे चुका है।

अब बलिया आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, वाराणसी, सोनभद्र और मीरजापुर के साथ ही भदोही, चंदौली और जौनपुर में भी दो तीन दिनों के भीतर मानसूनी सक्रियता नजर आ सकती है। जबकि सोनभद्र के खोड़वा पहाड़ की ओर भी आदिवासी लोग नजर गड़ाए हुए हैं ताकि मानसूनी सक्रियता की आहट पाकर वह खेती किसानी की ओर रुख कर सकें।

मानसूनी रेखा हालांकि पहले सक्रिय होकर गोरखपुर मंडल के महाराजगंज के करीब तक जा पहुंचा था। लेकिन मानसून वहां ठिठक गया और बलिया के रास्ते मंगलवार को यूपी में आखरिकार मानसून प्रवेश कर गया है। अब जल्द ही मानसून समूचे पूर्वांचल में असर करेगा और मानसूनी सक्रियता दे से ही सही लेकिन पूर्वांचल में राहत लेकर आएगा। हालांकि अलनीनो के प्रभाव से कुछ कम बारिश का अनुमान है लेकिन बारिश होना और बादलों की आवाजाही भी गर्मी से राहत जरूर देगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर इन्टरचेंज बनवाए जाने की मांग वर्षो बाद भी अधूरी

बल्दीराय/सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से क्षेत्र की बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास की उम्मीद लगाए बैठे बल्दीराय क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग आज तक पूरी नहीं हो सकी है। क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से बल्दीराय के निकट इंटरचेंज (प्रवेश एवं निकास मार्ग) बनाए जाने की मांग की जा रही है, ताकि तहसील क्षेत्र के लाखों लोगों को सीधे एक्सप्रेस-वे का लाभ मिल सके। जानकारी के अनुसार, क्षेत्रवासियो की मांग पर पूर्व सांसद मेनका गांधी ने भी जनहित को देखते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किमी 96-97 के पास ग्राम चक टेरी में मुसाफिरखाना-अयोध्या मार्ग को जोड़ने के लिए इंटरचेंज निर्माण की मांग शासन स्तर पर उठाई थी। इसके लिए उन्होंने अपर मुख्य सचिव तथा संबंधित अधिकारियों को पत्र भी भेजा था। लेकिन एक्सप्रेस-वे के संचालन के वर्षों बाद भी यह मांग अधूरी बनी हुई है।

बिना लाइसेंस और बिना मानक चल रहे हैं कोचिंग सेंटर, प्रशासन बेखबर

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय, सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र के कई प्रमुख बाजारों में दर्जनों कोचिंग सेंटर बिना पंजीकरण, बिना अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और निर्धारित मानकों के संचालित हो रहे हैं। इन संस्थानों में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा और प्रशासनिक मानकों की अनदेखी खुलेआम की जा रही है।

हाल ही में लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड में कई लोगों की मौत के बाद पूरे प्रदेश में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना के बाद विभिन्न जिलों में प्रशासन द्वारा जांच और कार्रवाई की बात कही जा रही है, लेकिन बल्दीराय क्षेत्र में अब तक कोई विशेष अभियान या निरीक्षण नहीं दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई कोचिंग सेंटर संकरे भवनों, भीड़भाड़ वाले कमरों और अपर्याप्त निकास व्यवस्था के बीच संचालित हो रहे हैं। अधिकांश संस्थानों में अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास द्वार तथा सुरक्षा संबंधी अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में छात्रों की जान जोखिम में पड़ सकती है। शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण, सुरक्षा मानकों का पालन तथा आवश्यक दस्तावेजों का होना अनिवार्य माना जाता है। कई जिलों में बिना पंजीकरण संचालित संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं।

क्षेत्रीय अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने जिला प्रशासन तथा शिक्षा विभाग से मांग की है कि बल्दीराय तहसील क्षेत्र के सभी कोचिंग सेंटरों की जांच कराई जाए और जो संस्थान बिना लाइसेंस या मानकों के विपरीत संचालित पाए जाएं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल परिसर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण किया।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, बलदेव सिंह औलख, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, अवनीश सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी तथा भाजपा नेता नीरज सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान, नहीं चलेंगे' का उद्घोष करने वाले प्रखर राष्ट्रवादी और जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सर्वोच्च बलिदान भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित था।मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रहित, राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत के संकल्प का प्रतीक रहा है। उनका त्याग और बलिदान देशवासियों के हृदय में राष्ट्रवाद की भावना को सदैव प्रज्ज्वलित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए डॉ. मुखर्जी द्वारा दिखाया गया मार्ग आज भी प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

व्हाट्सएप पर बेटे बनकर मांगे 18 लाख रुपये, साइबर क्राइम पुलिस ने ग्वालियर से तीन ठगों को दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। साइबर क्राइम थाना, कमिश्नरेट लखनऊ ने 18 लाख रुपये की साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए मध्य प्रदेश के ग्वालियर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक उद्योगपति के पुत्र के नाम का इस्तेमाल कर व्हाट्सएप संदेश भेजा और अकाउंट्स विभाग को झांसे में लेकर 18 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी से संबंधित 5.50 लाख रुपये भी फ्रीज करा दिए हैं।पुलिस के अनुसार 5 मई 2026 को टीराज इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता कुलवंत सिंह ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके कार्यालय के अकाउंट्स विभाग के व्हाट्सएप पर उनके पुत्र के नाम से संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें अत्यंत आवश्यक कार्य बताकर तत्काल धनराशि भेजने के लिए कहा गया। संदेश पर विश्वास करते हुए अकाउंट्स विभाग ने आरोपियों द्वारा बताए गए बैंक खातों में 18 लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए।बाद में जब कुलवंत सिंह ने अपने पुत्र से इस भुगतान के संबंध में जानकारी ली तो पता चला कि उसने किसी भी प्रकार की धनराशि नहीं मांगी थी। इसके बाद साइबर ठगी का खुलासा हुआ और मामले की शिकायत पुलिस से की गई।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) किरन यादव के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। तकनीकी जांच, डिजिटल विश्लेषण, बैंकिंग ट्रांजैक्शन ट्रेल, मोबाइल डेटा और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग ग्वालियर से मिले। इसके बाद साइबर क्राइम थाना लखनऊ की टीम मध्य प्रदेश भेजी गई।जांच के दौरान पुलिस ने भीष्म भदौरिया, हर्ष आर्य और अमित सिंह भदौरिया को ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न म्यूल बैंक खातों में जमा कराते थे और बाद में उसे यूएसडीटी (टेदर) नामक क्रिप्टो मुद्रा में परिवर्तित कर देते थे। इसके जरिए रकम को अलग-अलग डिजिटल वॉलेट्स में स्थानांतरित कर धन के स्रोत और अंतिम लाभार्थियों की पहचान छिपाने का प्रयास किया जाता था।विवेचना में यह भी सामने आया कि साइबर अपराधी पहले मालवेयर युक्त एपीके फाइल या लिंक भेजकर पीड़ित के मोबाइल तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त करते थे। इसके बाद मोबाइल में सेव संपर्कों के नाम से छेड़छाड़ कर अपने नंबर को परिचित व्यक्ति के नाम से प्रदर्शित करते थे। इसी तकनीक का इस्तेमाल कर पीड़ित के पुत्र के नाम से संदेश भेजा गया और अकाउंट्स विभाग को झांसे में लेकर रकम ट्रांसफर करा ली गई।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की भूमिका ठगी की रकम को विभिन्न खातों में प्राप्त करने, उसे अन्य खातों में स्थानांतरित करने, यूएसडीटी खरीदने और कमीशन के बदले आगे उपलब्ध कराने की रही है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों और लाभार्थियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।कमिश्नरेट पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड न करें, केवल मोबाइल में सेव नाम देखकर धनराशि स्थानांतरित न करें और किसी भी भुगतान से पहले संबंधित व्यक्ति से सीधे फोन पर पुष्टि अवश्य करें।

साथ ही ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है।

15 मौतों के मामले में मकान मालिक समेत चार गिरफ्तार, कई पहलुओं पर जांच जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 9 अन्य घायल हुए थे। पुलिस का कहना है कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और जांच निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है।पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को थाना अलीगंज क्षेत्र के पुरनिया चौकी अंतर्गत सेक्टर-डी कॉलोनी में यूपीएससी भवन के पीछे स्थित भवन संख्या 02813 में भीषण आग लग गई थी। आग लगने और पूरे भवन में धुआं भर जाने से वहां रह रहे 15 छात्रों एवं अन्य व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ ऐसे भी थे जो जान बचाने के लिए भवन से नीचे कूद गए थे।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था), संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय), पुलिस उपायुक्त उत्तरी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी, सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। फायर सर्विस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। अभियान के दौरान भवन में फंसे लोगों को बाहर निकालकर तत्काल केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां घायलों का उपचार जारी है। आग पर काबू पाने और मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया गया।प्रारंभिक जांच में अग्नि सुरक्षा मानकों, फायर एनओसी तथा अन्य आवश्यक अनुमतियों को लेकर गंभीर सवाल सामने आने पर थाना अलीगंज में मुकदमा संख्या 115/2026 धारा 105, 110, 125 और 3(5) बीएनएस के तहत भवन स्वामी, संस्थान संचालकों तथा अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।विवेचना के दौरान घटना में संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस ने भवन मालिक वीरेन्द्र प्रसाद शुक्ला, गेमिंग जोन एवं इंस्टीट्यूट संचालक तुषांक कृष्ण जायसवाल, आईटी नेटवर्किंग कार्य से जुड़े सुरेश कुमार साहू तथा पेट शॉप संचालक राम कृष्ण उपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार घटना में अब तक कुल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य संभावित जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।कमिश्नरेट पुलिस ने बताया कि भवन संचालन, अग्नि सुरक्षा उपायों, फायर एनओसी, विद्युत व्यवस्था और अन्य वैधानिक अनुमतियों से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जांच की जा रही है।

कांग्रेस मुख्यालय में कई जिलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में बस्ती, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, उन्नाव और लखनऊ के अनेक नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कांग्रेस की नीतियों तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने सभी नए सदस्यों को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण करने वालों में अयोध्या के राम निहाल निषाद, लखनऊ के कपिल मुनि यादव, राघव कुमार स्वर्णकार, कृष्णा मुरारी यादव, ठाकुरदीन निषाद, नवनीत वर्मा और उदयराज सिंह ने भी अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के मदेयगंज थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने और विरोध करने पर धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को पीड़िता ने थाना मदेयगंज में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। जब उसने विवाह के लिए दबाव बनाया तो आरोपी तथा उसके परिवार के कुछ सदस्यों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।पीड़िता की शिकायत पर थाना मदेयगंज में मुकदमा संख्या 81/2026 धारा 69, 352 और 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक विनोद कुमार द्वारा की जा रही है।मुकदमा दर्ज होने के बाद नामित आरोपी अमित गुप्ता अपनी माता, बहन और अधिवक्ता के साथ थाना मदेयगंज पहुंचा। पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर आरोपी ने अपना नाम अमित गुप्ता पुत्र हरिश्चन्द्र गुप्ता निवासी आजाद नगर, कानपुर रोड, मानसनगर, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ बताया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के संबंध में गलती स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी।इसके बाद पुलिस ने आरोपी को विधिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित गुप्ता (30 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य थानों और संबंधित इकाइयों से जुटाई जा रही है।

बीएसबी से संबद्ध विद्यालयों को मिलेगा यू-डायस प्लस कोड

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी), हरिद्वार से संबद्ध विद्यालयों के लिए यू-डायस प्लस कोड आवंटन तथा विद्यालय श्रेणी उन्नयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।सरकार का मानना है कि यह पहल विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों को राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल प्रशासन, तकनीक आधारित अनुश्रवण और डाटा प्रबंधन को लगातार मजबूत किया जा रहा है। यू-डायस प्लस जैसी व्यवस्थाओं के विस्तार से शिक्षा प्रबंधन को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाया जा रहा है।जारी निर्देशों के अनुसार भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के लिए नवीन यू-डायस प्लस कोड आवंटित किए जाएंगे तथा आवश्यकतानुसार विद्यालय श्रेणी उन्नयन की कार्रवाई भी की जाएगी। इसके लिए मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों, जिला विद्यालय निरीक्षकों और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन, सत्यापन और संस्तुति की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी करने को कहा गया है।

निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि जिन विद्यालयों के पास अभी तक यू-डायस प्लस कोड उपलब्ध नहीं है, उन्हें नया कोड आवंटित किया जाएगा।

पीजीआई पुलिस ने बाइक चोरी का किया खुलासा, चोरी की मोटरसाइकिल समेत दो शातिर चोर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई पुलिस ने बाइक चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार न्यू सैनिक होम सोसाइटी, कल्ली पश्चिम निवासी दर्शनलाल ने 21 जून 2026 को थाना पीजीआई में तहरीर देकर बताया था कि 19 जून को कल्ली पश्चिम बाजार से उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 332/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया। इसी क्रम में 23 जून को पुलिस टीम क्षेत्र में चोरी की बाइक और आरोपियों की तलाश में गश्त कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि ओमेक्स अंडरपास के पास संदिग्ध युवक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ मौजूद हैं।सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ओमेक्स अंडरपास के पास से दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुजीत पुत्र नरेश निवासी कनकहा, थाना मोहनलालगंज और अखिलेश कुमार पुत्र वीरेन्द्र कुमार निवासी कनकहा, थाना निगोहा के रूप में हुई है। दोनों मजदूरी का काम करते हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आपस में मित्र हैं और मिलकर वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस के अनुसार दोनों चोरी करने के अभ्यस्त अपराधी हैं और उनसे अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विवेचनात्मक कार्रवाई जारी है तथा आरोपियों के आपराधिक इतिहास और अन्य संभावित वारदातों की जानकारी जुटाई जा रही है।इस कार्रवाई को थाना पीजीआई पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के आधार पर वाहन चोरी के अन्य मामलों के भी खुलासे की संभावना है।

संक्षेप

बीएसएनएल कैसरबाग टेलीफोन एक्सचेंज में बड़े मंगल पर भंडारे का आयोजन

लखनऊ। बड़े मंगल के पावन अवसर पर भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के कैसरबाग स्थित टेलीफोन एक्सचेंज परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएसएनएल लखनऊ व्यापार क्षेत्र के प्रधान महाप्रबंधक राजेश कुमार एवं वरिष्ठ महाप्रबंधक कमलेश कुकरेती सहित विभाग के अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की।इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया और बड़े मंगल की परंपरा के अनुरूप सेवा एवं सहयोग का संदेश दिया। भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की सराहना की।कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग, सद्भावना और सामाजिक समरसता की भावना को प्रोत्साहित करना था। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा तथा उपस्थित लोगों ने भगवान हनुमान से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।बीएसएनएल परिवार ने भगवान हनुमान के चरणों में सभी के मंगलमय जीवन, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की प्रार्थना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बीएसएनएल के अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दुबग्गा में दुष्कर्म के आरोप पर मुकदमा दर्ज, आरोपी किशोर पुलिस संरक्षण में

लखनऊ। थाना दुबग्गा क्षेत्र में दुष्कर्म के आरोप का मामला सामने आया है। घटना की सूचना सोमवार को डायल-112 के माध्यम से पुलिस को प्राप्त हुई, जिसके बाद थाना दुबग्गा पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की और संबंधित पक्षों से आवश्यक जानकारी जुटाई।पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच और प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्रकरण की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है।जांच के दौरान आरोपित किशोर, जिसकी उम्र लगभग 15 वर्ष बताई जा रही है, को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। उसके विरुद्ध प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने बताया कि मामले से जुड़े साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है तथा पीड़ित पक्ष का चिकित्सीय परीक्षण सहित अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं नियमानुसार पूरी कराई जा रही हैं। मामले की निष्पक्ष और गहन जांच जारी है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। फिलहाल प्रकरण की विवेचना जारी है।

ठाकुरगंज स्थित इरम डिग्री कॉलेज में लगी आग, फायर कर्मियों ने समय रहते पाया काबू

लखनऊ। ठाकुरगंज क्षेत्र स्थित इरम डिग्री कॉलेज में मंगलवार दोपहर आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त प्रयास से आग पर तत्काल काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि या किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।पुलिस के अनुसार 23 जून को अपराह्न लगभग 3:50 बजे थाना ठाकुरगंज को कॉलेज परिसर में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी रिंग रोड वीरेन्द्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया।प्रारंभिक जांच में पता चला कि कॉलेज परिसर के एक कमरे में आग लगी थी। सूचना पर फायर सर्विस की दो गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं। पुलिस और दमकल कर्मियों के संयुक्त प्रयास से आग पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया गया और उसे पूरी तरह बुझा दिया गया।प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण वातानुकूलन यंत्र (एसी) में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा विस्तृत जांच की जा रही है।अधिकारियों के अनुसार स्थिति पूरी तरह सामान्य है और परिसर में शांति बनी हुई है। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से किसी बड़े नुकसान की आशंका टल गई।

गोमतीनगर में पुजारी की मौत का खुलासा : टक्कर मारने के बाद जंगल में छोड़कर भागे युवक, तीन गिरफ्तार और एक बाल अपचारी संरक्षण में

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर पुलिस ने सिद्धकामेश्वर मंदिर के सहयोगी पुजारी देवकुमार दुबे की मौत के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त काले रंग की थार वाहन भी बरामद कर ली है।पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को विरामखण्ड-2 स्थित सिद्धकामेश्वर मंदिर के प्रधान पुजारी धृष्टद्युम्न शरण मिश्र ने थाना गोमतीनगर में सूचना दी थी कि मंदिर में सेवा कार्य करने वाले सहयोगी पुजारी देवकुमार दुबे को एक थार वाहन ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपियों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाने का भरोसा दिया, लेकिन बाद में भ्रामक जानकारी देकर घटना को छिपाने का प्रयास किया।मामले की गंभीरता को देखते हुए गोमतीनगर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने हुसड़िया पुल के पास से अर्पित मिश्रा, प्रिंस तिवारी और पुष्पेन्द्र कनौजिया को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि विरामखण्ड-1 स्थित देवा पैलेस के पास थार वाहन को लापरवाहीपूर्वक पीछे करते समय देवकुमार दुबे को टक्कर लग गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी उन्हें इलाज के लिए ले जाने के बहाने अपने साथ ले गए, लेकिन इंदिरानगर सेक्टर-19 के जंगल क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए। समय पर चिकित्सीय सहायता नहीं मिलने के कारण घायल पुजारी की मृत्यु हो गई।मृतक की पहचान देवकुमार दुबे (42 वर्ष) पुत्र बैजनाथ दुबे निवासी ग्राम चन्दौका, थाना भीटी, जनपद अम्बेडकरनगर के रूप में हुई है। वह सिद्धकामेश्वर मंदिर में सहयोगी पुजारी के रूप में सेवा दे रहे थे।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त काले रंग की थार वाहन संख्या यूपी-51 बीपी-7011 बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपियों में अर्पित मिश्रा, प्रिंस तिवारी और पुष्पेन्द्र कनौजिया शामिल हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा संख्या 250/2026 में धारा 281, 125(बी), 240, 105, 238 और 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की जा रही है।इस सनसनीखेज मामले के खुलासे में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश चन्द्र तिवारी, उपनिरीक्षक राजन केसरी, उपनिरीक्षक गुरप्रीत कौर, कांस्टेबल सूर्य प्रताप सिंह, दीपक कुमार और सुनील कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

25 जून से खुलेंगे परिषदीय विद्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बुनियादी शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए लगातार व्यापक सुधार लागू कर रही है। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने यूट्यूब लाइव सत्र के माध्यम से प्रदेशभर के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, एआरपी, एसआरजी तथा डायट मेंटर्स से संवाद कर शिक्षा विभाग की आगामी कार्ययोजना और प्राथमिकताओं की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि अत्यधिक गर्मी के कारण बार-बार अवकाश बढ़ाने की स्थिति से बचने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप न्यूनतम 220 शिक्षण दिवस सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब परिषदीय विद्यालय प्रत्येक वर्ष 25 जून से संचालित किए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से विद्यालय खुलने पर बच्चों का आत्मीय स्वागत करने तथा गर्मी को देखते हुए उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने का आह्वान किया।

एफटीए विकसित भारत के लिए नई व्यापार संरचना का निर्माण कर रहे हैं

विकसित भारत का विज़न हासिल करने के लिए अगले दो दशकों तक आर्थिक विकास की उच्च दर बनाए रखना ज़रूरी है। भारत का विशाल घरेलू बाजार इस विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन है, लेकिन केवल इसी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक प्रतिस्पर्धी पैमाने और वास्तविक तकनीकी परिवर्तन हासिल करने के लिए, भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ मजबूती से एकीकृत हो रहा है। जहां डब्ल्यूटीओ समझौते नियम-आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए आधारशिला प्रदान करते हैं, वहीं एफटीए इच्छुक साझेदारों को डब्ल्यूटीओ आधारशिला पर आगे बढ़ाते हुए रुचि के अन्य क्षेत्रों में अधिक गहराई से एकीकरण करने में सक्षम बनाते हैं। आर्थिक एकीकरण और साझेदार देशों के अनुसार नियम बनाने के महत्वपूर्ण चालक के रूप में वर्तमान में लागू 384 अधिसूचित एफटीए अपनी उपयोगिता रेखांकित करते हैं। ये एफटीए महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंच बनाने और भारतीय व्यवसायों को वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के अनिश्चित हालात से बचाने के लिए संस्थागत रूपरेखा (ब्लूप्रिंट) हैं। वैश्विक आर्थिक अवसरों तक पहुंच भी उन भारतीय व्यवसायों के लिए जरूरी है, जो बड़े पैमाने पर काम करके वैश्विक चैम्पियन के तौर पर उभरना चाहते हैं। लेकिन फायदा केवल बड़े व्यवसायों तक सीमित नहीं है; एफटीए स्टार्ट-अप, एमएसएमई, किसानों, मछुआरों और भारतीय प्रतिभा के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर के द्वार खोलते हैं, जो अपनी क्षमताओं का विश्व स्तर पर लाभ उठाना चाहते हैं। ये बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ टैरिफ, सेवा बाजार तक पहुंच और पारदर्शी व्यापार नियमों को शामिल करती हैं, जिससे भारतीय व्यवसायों को लंबी अवधि के निवेश के लिए भरोसेमंद वातावरण मिलता है। भारत की व्यापार बातचीत की रणनीति काफी विकसित हो चुकी है, और इसका ध्यान उन पूरक अर्थव्यवस्थाओं पर है, जो वस्तु और सेवाओं के लिए मुख्य निर्यात बाजार के रूप में काम करती हैं। हाल के मुक्त व्यापार समझौतों का एक मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय संघ, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में समान अवसर प्राप्त हों। यह समानता विशेष रूप से वस्त्र, परिधान और जूते जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए जरूरी है, जहां ऐतिहासिक रूप से भारतीय उत्पादों पर भारी टैरिफ लगता रहा है, जबकि प्रतिस्पर्धियों को शुल्क मुक्त पहुँच मिलती है। कनाडा, इज़राइल और ईएईयू और एमईआरसीओएसयूआर जैसे समूहों के साथ भी भारत व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है।

सेवाएँ भारत की निर्यात रणनीति और इसके एफटीए वार्ताओं के केंद्र में हैं। सीमापार डिजिटल डिलीवरी पर पक्के वादे करके, हाल के एफटीए, तेजी से बढ़ते वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) इकोसिस्टम, तकनीकी स्टार्टअप्स और डिजिटल नवोन्मेषियों के बीच निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने में मदद करते हैं। डिजिटल डिलीवरी सेवाओं के अलावा, एफटीए ने भारत को वार्ताओं में नए तरीके अपनाने का मौका दिया है, जिससे ऐसी बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ हासिल हुई हैं, जो भारतीय प्रतिभा, खासकर युवाओं के आवागमन को बढ़ाती हैं। मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं - छात्र और पेशेवरों के लिए आवागमन प्रावधान और साइड-लेटर, भारत-यूके दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) जैसे फ्रेमवर्क, जो अस्थायी कार्य के लिए दोहरी सामाजिक सुरक्षा कराधान को रोकते हैं, और योग जैसे खास क्षेत्रों में आवागमन अधिकार।

भारत के नई पीढ़ी के एफटीए की एक विशेषता व्यापार और निवेश के बीच गहरे संबंध को मान्यता देना है। प्रमुख वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके और प्रमुख निर्माण सामग्री के आयात को आसान बनाकर, यह नेटवर्क बढ़ती मांग के साथ मिलकर भारत को निर्माण और निवेश के लिए बेहद आकर्षक गंतव्य बनाता है। हाल के समझौते और आगे बढ़ते हुए बाजार तक पहुंच को निवेश परिणामों से सीधे जोड़ते हैं। इसका प्रमुख उदाहरण है, भारत-ईएफटीए समझौता, जिसमें यह शर्त रखी गयी है कि ईएफटीए देशों को भारतीय बाजार तक पहुंच तभी मिलेगी, जब वे 100 बिलियन डॉलर के एफडीआई का वादा करेंगे और भारत में दस लाख नौकरियां पैदा करेंगे। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए में भी ऐसे ही प्रावधान हैं, जिनके तहत लंबे समय के निवेश के वादे के बदले भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार तक पहुंच की सुविधा दी गयी है। आधुनिक व्यापार अब केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है; इसके लिए 21वीं सदी के आयामों को समझना और नियमों पर ध्यान देना जरूरी है, जैसे व्यापार में तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), स्वच्छता और पादप-स्वच्छता से जुड़े उपाय (एसपीएस), और व्यापार सुगमता (टीएफ)। भारत के अगली पीढ़ी के एफटीए इन रूपरेखाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। अक्सर, टैरिफ़ की तुलना में उत्पाद मानक और अन्य नियामक आवश्यकताएँ बाजार तक पहुँचने में ज़्यादा बड़ी रुकावटें पैदा करती हैं। भारत के एफटीए में नियामक समन्वय और सहयोग के प्रावधान भारतीय निर्यातकों के संदर्भ में इन बाधाओं को कम करने के लिए व्यवस्थित व संस्थागत तरीके प्रदान करते हैं।

ब्रिक्स और कृषि व्यापार की नई दिशा

एम.एल. जाट एवं स्मिता सिरोही

ब्रिक्स देशों के बीच कृषि के क्षेत्र में कई तरह की पूरकताएं हैं। ब्राजील सोयाबीन, मांस और चीनी का बड़ा निर्यातक है।

भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ऐसे समय कर रहा है जब कृषि व्यापार की चर्चा केवल शुल्क और बाजार पहुंच तक सीमित नहीं रह गई है। जलवायु संकट, खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव, उर्वरकों की आपूर्ति में रुकावट, सतत उत्पादन से जुड़े मानक, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की डिजिटल जानकारी तथा संकट के समय बाजारों को खुला रखने की जरूरत अब कृषि व्यापार के अहम मुद्दे बन चुके हैं।

कृषि क्यों महत्वपूर्ण है

ब्रिक्स के विस्तार के बाद यह समूह अब दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार एवं विकास संस्था, अंकटाड, के हालिया आकलन के अनुसार, ब्रिक्स देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 2003 के बाद तेरह गुना से अधिक बढ़ा है और 2024 में 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। कृषि इस बड़े व्यापारिक परिदृश्य का केवल एक हिस्सा हो सकती है, लेकिन राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से यह सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में है। जब खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, उर्वरकों की आपूर्ति रुकती है या समुद्री मार्गों में अनिश्चितता आती है, तो इसका सीधा असर किसानों, उपभोक्ताओं और सरकारों पर पड़ता है। इसलिए कृषि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।

ब्रिक्स देशों के बीच कृषि के क्षेत्र में कई तरह की पूरकताएं हैं। ब्राजील सोयाबीन, मांस और चीनी का बड़ा निर्यातक है। रूस अनाज और उर्वरकों में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। भारत चावल, समुद्री उत्पाद, मसाले, भैंस के मांस और छोटे किसानों से जुड़ी कई कृषि वस्तुओं में मजबूत स्थिति रखता है। चीन खाद्य पदार्थों का बड़ा आयातक और प्रसंस्करण करने वाला देश है। दक्षिण अफ्रीका इस समूह को अफ्रीका के महत्वपूर्ण कृषि-खाद्य बाजारों से जोड़ता है। नए सदस्य भी इसमें नए आयाम जोड़ते हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब लॉजिस्टिक्स, वित्त और खाद्य सुरक्षा निवेश के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। मिस्र और इथियोपिया अफ्रीका की खाद्य प्रणाली से जुड़ी चिंताओं को सामने लाते हैं, जबकि इंडोनेशिया पाम ऑयल, मत्स्य क्षेत्र और उष्णकटिबंधीय कृषि की ताकत जोड़ता है।

आपसी ताकतों को ठोस व्यवस्था में बदलना

लेकिन केवल बड़े पैमाने और आपसी ताकतों के मेल से अपने-आप मजबूत व्यापार व्यवस्था नहीं बनती। आगामी ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक भारत को यह अवसर देती है कि वह सहयोग को कुछ ठोस दिशाओं में आगे बढ़ाए। इनमें भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था, बीज, उर्वरक और अन्य उत्पादन सामग्री की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, बेहतर बाजार जानकारी और ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं शामिल हैं जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था को शुरुआती प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कृषि व्यापार में केवल माल भेजना पर्याप्त नहीं है; यह भी उतना ही जरूरी है कि उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्रोत पर भरोसा हो। कृषि व्यापार सुविधा पर 2024 के ब्रिक्स सिद्धांत पहले ही खाद्य सुरक्षा, पशु-पौध स्वास्थ्य और तकनीकी मानकों से जुड़े सहयोग, एक-दूसरे के मानकों को स्वीकार करने की व्यवस्था, कम व्यापार लागत और डिजिटल व्यापार सुविधा जैसे बुनियादी मुद्दों को मान्यता देते हैं। भारत इस एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल प्रमाणपत्रों, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की भरोसेमंद डिजिटल जानकारी, नियामकों के बीच तेज संवाद और उत्पादकों व निर्यातकों की क्षमता निर्माण पर जोर दे सकता है।

दूसरी प्राथमिकता मजबूत आपूर्ति श्रृंखला होनी चाहिए। खाद्य व्यापार को उर्वरक, ऊर्जा, पशु आहार, बीज, ढुलाई-भंडारण और वित्त से अलग करके नहीं देखा जा सकता। भारत के लिए यह कोई दूर की चिंता नहीं है। उसके उर्वरक और ऊर्जा आयात का आधे से अधिक हिस्सा ब्रिक्स देशों से आता है। इसलिए उत्पादन सामग्री की सुरक्षा सीधे कृषि की मजबूती से जुड़ी हुई है। पश्चिम एशिया के हालिया संकटों ने दिखाया है कि खाद्य पदार्थों के बाजार तक पहुंचने से बहुत पहले ही उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसलिए ब्रिक्स सहयोग में उर्वरकों और अन्य उत्पादन सामग्री के बाजारों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, भंडार और कीमतों पर पारदर्शी जानकारी, और जरूरी कृषि सामग्री की आपूर्ति में अचानक आने वाली रुकावटों को कम करने की व्यवस्था शामिल होनी चाहिए।

तीसरी प्राथमिकता बेहतर बाजार जानकारी है। ब्रिक्स अनाज विनिमय का विचार इस बात की जरूरत को दिखाता है कि खाद्य बाजारों में अधिक पारदर्शिता, बेहतर मूल्य संकेत और खाद्य सुरक्षा की तैयारी होनी चाहिए। भारत इस दिशा में ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच के भीतर कृषि बाजार जानकारी से जुड़ी एक व्यवस्था का प्रस्ताव रख सकता है। यह मंच पहले से ही ज्ञान से कार्य की दिशा में विकसित किया जा रहा है। ऐसी व्यवस्था खाद्य भंडार, फसल की स्थिति, उर्वरक कीमतों, जहाजरानी जोखिमों, खाद्य सुरक्षा और पशु-पौध स्वास्थ्य से जुड़े अलर्ट तथा प्रमुख कृषि जिंसों के रुझानों पर नियमित जानकारी दे सकती है। इससे देश संकट गहराने से पहले ही तैयारी कर सकेंगे।

व्यापार को किसान-केन्द्रित बनाना

चौथी प्राथमिकता ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं होनी चाहिए जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि कृषि व्यापार केवल बड़ी मात्रा में अनाज, तेल, चीनी या अन्य जिंसों की खरीद-बिक्री तक सीमित रह गया, तो उससे छोटे किसानों और ग्रामीण परिवारों को सीमित लाभ ही मिलेगा। कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर वैश्विक सम्मेलन 2026 से निकली दिल्ली घोषणा ने कृषि-खाद्य व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका, नेतृत्व और भागीदारी को केंद्र में रखा है। भारत इस भावना को ब्रिक्स के कृषि व्यापार एजेंडे में आगे बढ़ा सकता है, ताकि छोटे किसानों, विशेषकर महिला किसानों और ग्रामीण युवाओं को केवल बाजार के लिए उत्पादन करने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक प्रभावी भागीदारी का अवसर मिले।

इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य खाद्य पदार्थों से जुड़े किसी बंद गुट का निर्माण करना नहीं है। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृषि व्यापार एक अनिश्चित दुनिया में खाद्य सुरक्षा, किसानों और उपभोक्ताओं के लिए बेहतर ढंग से काम करे। भारत इस एजेंडा को आकार देने की दृष्टि से सही स्थिति में है क्योंकि उसे खाद्य सुरक्षा के प्रबंधन, छोटे किसानों पर आधारित कृषि, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और कृषि अनुसंधान का खासा अनुभव है।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता इस एजेंडे को व्यावहारिक रूप देने का समय पर मिला अवसर है। छोटे लेकिन सुविचारित कदम भी संकट के समय कृषि व्यापार को अधिक भरोसेमंद, नियमों की दृष्टि से अधिक पारदर्शी और किसानों के लिए अधिक सुलभ बना सकते हैं। यह अधिक मजबूत, भरोसेमंद और किसान-केंद्रित कृषि व्यापार व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

(आईसीएआर के महानिदेशक तथा डीएआरई के सचिव हैं)

(आईसीएआर के एम.एस. स्वामीनाथन चेयर की राष्ट्रीय प्रोफेसर और डीएएफ एंड डब्ल्यू की पूर्व संयुक्त सचिव (जी20/ब्रिक्स) हैं)

टिप्पणी

स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित

2024 में देश में कुल जितनी मौतें हुईं, उनमें से 45.5 प्रतिशत लोग बिना किसी इलाज के काल-कवलित हुए। गांवों में ये आंकड़ा 48.9 फीसदी रहा। ये आंकेड़े बदतर होते हालात की झलक देते हैं।

चौंकाने वाला यह आंकड़ा संकेत है कि किस तरह आम लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होते जा रहे हैं। इसके मुताबिक 2024 में देश में कुल जितनी मौतें हुईं, उनमें से 45.5 प्रतिशत लोग बिना किसी इलाज के काल- कवलित हुए। गांवों में ये आंकड़ा 48.9 फीसदी रहा। सरकार की सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) सांख्यिकी रिपोर्ट में शामिल ये आंकेड़े बदतर होते हालात की झलक देते हैं। गौरतलब है कि 2020 में इलाज से वंचित रहते हुए मरे लोगों की संख्या 18 प्रतिशत थी। एसआरएस रिपोर्ट में उन व्यक्तियों की मौत को बिना इलाज की श्रेणी में रखा जाता है, जो मृत्यु के समय प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी की देखभाल में नहीं थे।

ऐसी मौतों की संख्या में तेज वृद्धि को लेकर विशेषज्ञ भी भौंचक हैं। उनके मुताबिक कारण स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव, इलाज का महंगा हो जाना या फिर आंकड़ा जुटाने की विसगंतियां हो सकती हैं। मगर विसंगतियों की बात एक दूसरे आंकड़े से कमजोर नजर आने लगती है। इसके मुताबिक 2024 में कुल मौतों के बीच सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के अस्पतालों में हुई मौत का जो अनुपात रहा, वह 2014 की संख्या के आसपास ही है। मतलब यह कि इस दौर में अस्पताल सेवाओं का ऐसा विस्तार नहीं हुआ, जो आम जन को सुलभ हो। अब जरूरत इस बात की है कि एसआरएस सांख्यिकी रिपोर्ट से मिले संकेतों की अधिक गहराई से पड़ताल की जाए।

मगर मौजूदा सरकार का जो नजरिया है, उसके बीच ऐसा होने की उम्मीद कम ही है। संभवतः अप्रिय तथ्यों से बचने के प्रयास का ही यह उदाहरण है कि नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस)-6 की जारी रिपोर्ट में रक्तक्षीणता (एनिमिया), पांच वर्ष से कम उम्र में होने वाली मौतों, शौचालय और स्वच्छ रसोई गैस की उपलब्धता आदि से संबंधित आंकड़े नहीं दिए गए हैं। एनएचएफएस-5 से सामने आया था कि 15-49 वर्ष उम्र वर्ग में 57 फीसदी महिलाएं एनिमिया ग्रस्त हैं। ये स्थितियां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और आम पालन-पोषण बढ़ी गैर-बराबरी और बड़ी संख्या लोगों के वंचित होते जाने का संकेत हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये हकीकतें आम बहस से दूर बनी रहती हैं।

ब्लॉग

फाइबर अर्थव्यवस्था: भारत का अगला बड़ा वैश्विक अवसर

गिरिराज सिंह

फाइबर के साथ भारत का 5,000 बरस पुराना सभ्यतागत संबंध है, जो हमारे गाँवों, परंपराओं तथा सामूहिक पहचान में गहराई से गुँथा है। बुनी हुई हवा कहलाने वाली मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मलमल से लेकर समस्ते महाद्वीपों तक फैली भारतीय कारीगरी तक — फाइबर हमेशा से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा रहा है। आज, जब दुनिया वैश्विक स्थिरता की क्रांति की कगार पर खड़ी है, तब यही प्राचीन ज्ञान हमारी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति है।

दशकों तक केले के पेड़ के तने को बेकार अपशिष्ट मानकर फेंक दिया जाता था। आज वही बायोमास प्रीमियम फाइबर बनकर निर्यात बाज़ारों की मांग पूरी कर रहा है, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बना रहा है और इस कृषि अवशेष को राष्ट्रीय आय में बदल रहा है। अपशिष्ट से समृद्धि तक, स्थानीय प्रचुरता से वैश्विक अवसर तक — यही भारत की न्यू एज फाइबर मुहिम का सार है, जो हरित सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है। न्यू एज फाइबर ऐसे टिकाऊ एवं पौधों-आधारित पदार्थ हैं, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ते हैं। बांस, भाँग, केला, पीएएलएफ, फ्लैक्स, रेमी, सिसल, मिल्कवीड और कपोक जैसे फाइबर सदियों से मौजूद रहे हैं, लेकिन अब इन्हें वस्त्र उद्योग, रक्षा, बायोडिग्रेडेबल कंपोज़िट्स और प्रीमियम उत्पादों में उच्च-मूल्य उपयोगों के लिए नए सिरे से खोजा जा रहा है। ये हरित भविष्य के लिए भारत के प्राकृतिक फाइबर भंडार का विस्तार कर रहे हैं। बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत्वकपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं। इस विजन को एक स्पष्ट संस्थागत एवं नीतिगत ढाँचे का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026-2031 के लिए 5,664 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी के अंतर्गत न्यू एज फाइबर्स के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इस प्रयास को और सशक्त बनाते हुए, केंद्रीय बजट 2026–27 में घोषित राष्ट्रीय फाइबर मिशन एक व्यापक रणनीतिक ढाँचा प्रदान करता है, जो चार प्रमुख स्तंभों : कृषि-सूत्र- खेती और कच्चे माल के विकास के लिए, इन्फिनिटी-अनुसंधान एवं नवाचार के लिए, ग्राम-सेतु - अवसंरचना और उद्यम सृजन के लिए, तथा जीएमपीएस: ब्रांडिंग और बाज़ार विकास के लिए - पर आधारित है । इस नीतिगत ढाँचे की शक्ति दशकों से जारी वैज्ञानिक अनुसंधान में निहित है, जिसे ठोस परिणाम पहले से ही सामने आ चुके हैं। मिल्कवीड (आक/मदार) जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए) में 18 वर्षों के अनुसंधान के बाद एक बड़ी कामयाबी के तौर पर सामने आया है। अब इसका उपयोग रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर –20एष्ट तापमान में कार्यरत सैनिकों के लिए स्लीपिंग बैग बनाने में किया जा रहा है। ये स्लीपिंग बैग अपने पॉलिएस्टर विकल्पों की तुलना में 10त्न हल्के, ऊन से अधिक गर्म तथा सीएलओ/सेल प्रमाणित हैं। 55 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि पर बिना उर्वरक के उगाए जाने पर यह पौधा किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 1.5–2 लाख रुपये तक की आय प्रदान करने की क्षमता रखता है। केले का फाइबर प्रतिवर्ष लगभग 1.8 मिलियन टन उत्पादन की क्षमता रखता है और कृषि अवशेषों से किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है, जबकि बांस प्रति हेक्टेयर 60 टन तक बायोमास उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। भाँग भी एक उभरता हुआ वैश्विक बाज़ार बन रहा है, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जिसकी खेती की पहले से ही अनुमति है। फ्लैक्स, सिसल, रेमी, पीएएलएफ, बिछुआ या नेटल और कपोक जैसे फाइबरों के साथ मिलकर ये सभी भारत के टिकाऊ एवं प्राकृतिक फाइबर आधार का निरंतर विस्तार कर रहे हैं। इस वैज्ञानिक गति को आगे बढ़ाते हुए,न्यू एज फाइबर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार एक ऐसे मंच के रूप में उभरा, जहाँ विज्ञान, नीति और उद्यम एक साथ आ सके। इसने शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसान संगठनों, उद्योग जगत के दिग्गजों और नीति-निर्माताओं को एक ही मंच पर एकत्रित किया। सभी दस प्राथमिकता प्राप्त फाइबर्स को कवर करने वाले तीन कार्य बलों की रिपोर्टें जारी की गईं, जिन्होंने क्षेत्रीय विज्ञान को सीधे योजनाओं के डिज़ाइन और निवेश की प्राथमिकताओं में बदल दिया। इस सेमिनार ने मानकों, प्रसंस्करण अवसंरचना और संस्थागत वित्तपोषण में मौजूद खामियों की भी स्पष्ट रूप से पहचान की , जो एक ऐसे मिशन को दर्शाता है जो केवल नीति नहीं, बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन पर केंद्रित है। इसमें प्रमुख प्राथमिकताएँ: उत्पादन को पाँच वर्षों में 10,000 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 10 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचाना, गुणवत्ता मानकों का विकास करना, मशीनरी के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना, आयातित प्रसंस्करण तकनीक पर निर्भरता कम करना और खेती से लेकर मूल्य संवर्धन तक क्लस्टर आधारित फाइबर इकोसिस्टम का निर्माण करना सामने आईं। ये सभी कदम मिलकर न्यू एज फाइबर्स को ग्रामीण समृद्धि और टिकाऊ विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मिशन बनाते हैं। शायद सबसे परिवर्तनकारी कार्य फाइबर ब्लेंडिंग है। भारत की वास्तविक शक्ति किसी एक फाइबर में नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी से संयोजित करने में निहित है—जैसे थर्मल हल्केपन के लिए मिल्कवीड, गर्माहट के लिए ऊन, ब्रीदेबिलिटी के लिए बांस, और कोमलता के लिए कपास। मिश्रित कपड़ा या ब्लेंडेड फैब्रिक कोई समझौता नहीं है; यह प्रदर्शन को उन्नत बनाना है - ऐसे कपड़े तैयार करना जो अधिक मजबूत, अधिक स्मार्ट और अधिक टिकाऊ हों, साथ ही बेहतर आराम, नमी सोखने की क्षमता, टिकाऊपन तथा फैशन, जीवनशैली और तकनीकी वस्त्रों में बहुपयोगिता प्रदान करें। इसके लाभ पूरी मूल्य श्रृंखला में फैलते हैं। उपभोक्ताओं को बेहतर आराम और कार्यक्षमता मिलती है, निर्माताओं को प्रीमियम और विशिष्ट उत्पाद विकसित करने का अवसर मिलता है, और किसानों को विविध प्रकार की मांग तथा अधिक मजबूत आय प्राप्त होती है। भारत के लिए, ब्लेंडिंग या मिश्रण केवल एक तकनीकी नवाचार भर नहीं है; यह कच्चे फाइबर आपूर्ति से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, मूल्य-संवर्धित और भारतीय पहचान से जुड़े ब्रांड्स तक पहुँचने का एक सेतु है। असल में, न्यू एज फाइबर मुहिम जीवन को रूपांतरित करने, किसानों के लिए अवसर सृजित करने, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बनाने, महिलाओं को सशक्त करने और उद्यमियों को स्थानीय संसाधनों से वैश्विक व्यवसाय खड़ा करने में सक्षम बनाने के बारे में है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्रक मोदी के 5एफ विज़न— खेत से फाइबर, कपड़े से फैशन और विदेश तक—से प्रेरित, भारत की ग्रीन फाइबर क्रांति कोई दूर का सपना नहीं है। रणनीति तय है, संस्थान सक्रिय हैं, विज्ञान प्रमाणित हो चुका है, और उद्यमी तैयार हैं। आज भारत जो कर रहा है—फाइबर दर फाइबर, मिश्रण दर मिश्रण, क्षेत्र दर क्षेत्र, और खेत दर खेत—अपनी वस्त्र गाथा का अगला महान अध्याय लिख रहा है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं)

'हम 15 साल की किशोरी का भी गर्भपात करा देते हैं, बच्चा हुआ तो अच्छे पैसे मिलते'

आर्यावर्त संवाददाता

मऊ। बीस साल की तो बड़ी है, हम तो पंद्रह साल की किशोरी का भी गर्भपात करा देते हैं। पिछले दिनों एक मामले में ऐसा किया है लेकिन यह स्थिति तभी आती है जब गर्भ तीन माह का हो। कम समय होने पर कई दवाएं हैं... एक गोली आज रात और बाकी चार गोली परसों देना.. और हां, गोली कड़क चाय के साथ देना... असर जल्दी होगा।

ये सलाह किसी डॉक्टर की नहीं हैं बल्कि जिले के अमिला क्षेत्र के थानीदास स्थित आनंद मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहे क्लीनिक की महिला संचालक किरन ने दी। यह सलाह बिना जांच रिपोर्ट और डॉक्टर के पर्चे पर दी गई। वहीं, कोपागंज के कृष्णा हॉस्पिटल में नवजात की खरीद फरोख्त का दावा तक किया गया।

कहा कि बच्चा हुआ तो अच्छे पैसे मिल जाते हैं। वाराणसी में गर्भपात की दवा के सेवन से एक युवती की मौत के बाद हमारी टीम ने शुक्रवार से रविवार तक इस मुद्दे पर स्टिंग ऑपरेशन किया। जिले के कोपागंज, अमिला, मादी सिपाह, थानीदास और पुराघाट क्षेत्र में मेडिकल स्टोर की आड़ में गर्भपात का धंधा खुलेआम चल रहा है।

'सात से नौ हजार रुपये में गर्भपात हो जाएगा'

पांच अस्पतालों/क्लीनिकों में डमी महिला मरीज की जांच रिपोर्ट दिखाई गई जहां किसी संचालक ने दो तो किसी ने सात से नौ हजार रुपये में गर्भपात कराने की बात कही और भरोसा दिलाया कि कोई समस्या नहीं होगी। इन इलाकों में गर्भपात की दवा मेडिकल स्टोर पर सिरदर्द की गोली की तरह बिक रही है। न डॉक्टर का पर्चा, न जांच रिपोर्ट और न ही अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखे दवा मिल जाती है। ये पूरा धंधा सीएचसी और पीएचसी के एक किलोमीटर के दायरे में चल रहा है।

गर्भपात और अवैध क्लीनिक से जुड़ी शिकायतें गंभीर हैं। विभाग की टीमें जल्द ही छापा मारकर कार्रवाई करेंगी। सरकारी अस्पतालों के आसपास संचालन का मामला भी देखा जाएगा। मामले में कड़ी कार्रवाई होगी।

डॉ. पंकज, सीएमओ

लड़का हुआ तो कोई खरीद लेगा

कोपागंज स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में रिपोर्टर ने खुद को एक युवती का परिचित बताया और कहा कि तीन माह के गर्भावस्था का मामला है। खुद को डॉक्टर बताने वाली मीना ने क्लीनिक में गर्भपात कराने की बात कही। यहां एक महिला ने बच्चा खरीदने की बात कही और कहा कि लड़का हुआ तो किसी व्यक्ति को दे दिया जाएगा जो उसे खरीद लेगा।

इसके बाद अगले दिन टीम फिर इसी अस्पताल में पहुंची। यहां मिले कृष्णा कुमार ने खुद को ग्राम प्रधान बताया। कहा कि गर्भपात पर 5000 रुपये खर्च होंगे। यदि गर्भ 7 महीने का हो तो जन्म के बाद किसी दंपती को दिया जा सकता है और इसके बदले में अच्छे पैसे मिल सकते हैं।

टेंशन मत लो...15 साल की बच्ची का भी करा चुके हैं गर्भपात

अमिला के थानीदास क्षेत्र स्थित आनंद पैथोलॉजी में टीम पहुंची। यहां आनंद नाम का व्यक्ति मिला। उसने टीम से बात की और पास की बिल्डिंग में जनसेवा क्लीनिक में जाने को कहा। टीम वहां पहुंची तो खुद को डॉक्टर बताने वाली किरन ने डमी जांच रिपोर्ट देखने के बाद कहा कि 'टेंशन मत लें, यह सामान्य है। उसने कहा, पहले दवा दी जाएगी। इससे ब्लीडिंग होगी। मरीज को दो से तीन घंटे भर्ती रखकर छोड़ दिया जाएगा। उसने कहा, ज्यादा चिंता न करें। उसने दावा किया कि इससे पहले 15 वर्ष की एक किशोरी का गर्भपात करा चुकी है। उसने गर्भपात की प्रक्रिया का खर्च लगभग नौ हजार रुपये बताया। इसमें दवाएं और 15 दिन का फॉलोअप शामिल है।

ब्लीडिंग के बाद आ जाइएगा, हम दवा दे देंगे

अमिला कस्बे में संचालित अस्पताल प्रतिमा सेवा सदन का पंजीकरण आयुर्वेद विधा से है। करीब 20 मिनट बाद टीम को अंदर बुलाया गया। यहां महिला डॉक्टर के अनुपस्थित होने का हवाला दिया गया। कर्मचारियों ने बताया, पहले दवा दी जाएगी। इससे ब्लीडिंग शुरू होगी। इसके बाद मरीज को एक से दो दिन अस्पताल में रखा जाएगा। इस प्रक्रिया में 10 हजार रुपये खर्च होंगे।

दूसरे अस्पताल में सेटिंग है

मादी क्षेत्र के रीता क्लीनिक में एनआईसीयू वार्ड भी संचालित होता मिला। यहां मिले सचिन ने स्वयं ऐसा काम करने से इन्कार किया। उसने कहा, आनंद पैथोलॉजी चले जाइए वहां पर आपका काम हो जाएगा।

सीएचसी से 50 मीटर दूर हार्डवेयर की दुकान में चल रही क्लीनिक

कोपागंज सीएचसी से लगभग 50 मीटर दूर हार्डवेयर की दुकान में संचालित क्लीनिक में टीम पहुंची। यहां मिली एक युवती ने बताया कि उसका काम हो जाएगा। मां सविता से बात करके बताती हूं। उसने मां को बुलाने का आश्वासन दिया। इसी बीच फोन आने पर युवती ने कहा, मां की तबीयत ठीक नहीं है और यहां ये सब काम नहीं होता।

बदलेगी बनारस की सूरत : वरुणा के किनारे बनेंगे वॉकिंग ट्रैक और ग्रीन जोन, ओएनजीसी के सीएसआर फंड से चमकेगी नदी

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को जल्द ही एक और विश्वस्तरीय सौगात मिलने जा रही है। साबरमती और गोमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर अब काशी में भी 'वरुणा रिवर फ्रंट' का निर्माण किया जाएगा। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित बोरा और ओएनजीसी के सीएसआर प्रमुख नीरज कुमार बंसल के बीच इस 260.61 करोड़ की बड़ी परियोजना के लिए एमओयू (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

वीडीए के वीसी पुलकित बोरा ने बताया कि वरुणा नदी काशी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का एक अभिन्न हिस्सा रही है। अब इसके तटों का सुनियोजित और आधुनिक विकास किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत नदी के किनारों पर आधुनिक नगरीय सुविधाएं और खूबसूरत हरित क्षेत्र विकसित होंगे। सार्वजनिक उपयोग के लिए खुले स्थल, सुंदर पैदल पथ और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई नए एडवेंचर और मनोरंजन के साधन तैयार किए जाएंगे। यह पूरा प्रोजेक्ट भारत सरकार के वॉटर बॉडी रिजुवेनेशन मिशन के उद्देश्यों के बिल्कुल अनुकूल है, जिसका मुख्य लक्ष्य जल संसाधनों का संरक्षण, नदी पुनर्जीवन और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देना है। इस परियोजना के तहत विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) तैयार करने से लेकर निर्माण कार्यों के पूरा होने तक की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध (Phased) तरीके से अंजाम दिया जाएगा। ओएनजीसी के महाप्रबंधक अटल श्रीवास्तव ने इस मौके पर कहा कि यह साझेदारी काशी के सतत विकास और वाराणसी को एक आधुनिक, स्वच्छ, हरित और वैश्विक पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी।

प्रयागराज से शुरू होकर काशी में गंगा से मिलती है वरुणा

वरुणा नदी का भूगोल बेहद दिलचस्प है। यह नदी प्रयागराज के फूलपुर स्थित मेलहम से निकलती है। करीब 100 किलोमीटर की लंबी यात्रा तय करने के बाद यह वाराणसी के रमईपुर और जगतपुर क्षेत्र से जिले में प्रवेश करती है। इसके बाद वाराणसी सदर इलाके से करीब 6 किलोमीटर की दूरी तय करती हुई यह सरायमोहना क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध आदिकेशव घाट पर जाकर पतित पावनी गंगा नदी में मिल जाती है। इसी 6 किलोमीटर के शहरी दायरे को अब एक खूबसूरत टूरिस्ट डेस्टिनेशन में तब्दील किया जा रहा है।

पर्यावरणविदों ने कहा- 'वरुणा को पुनर्जीवन देने वाला प्रोजेक्ट'

नेशनल गंगा रिवर बेसिन अथॉरिटी के वैज्ञानिक सलाहकार रहे और प्रख्यात पर्यावरणविद प्रोफेसर बीडी त्रिपाठी ने इस प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए इसे वरुणा नदी के लिए संजीवनी बताया है। प्रोफेसर बीडी त्रिपाठी ने बताया कि रिवरफ्रंट बनने से वरुणा नदी को कई बड़े फायदे होंगे। बोले- वरुणा पर रिवरफ्रंट बनने से इसके किनारों की मिट्टी को एक मजबूत बांध का रूप मिल जाएगा। इससे तटों का कटाव पूरी तरह रुकेगा और नदी में बहकर जाने वाली मिट्टी और गाद (Silt) पर रोक लगेगी। सिल्टेशन रुकने से वरुणा नदी की गहराई स्वतः बढ़ेगी और उसकी वॉटर होल्डिंग कैपेसिटी (जल भंडारण क्षमता) में भी भारी इजाफा होगा। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर होने वाले प्लांटेशन (वृक्षारोपण) से पर्यावरण सुधरेगा और इंसानों द्वारा होने वाला प्रदूषण भी थमेगा।

छठवी मोहर्रम का जुलूस अकीदत से उठा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर में छह मोहर्रम की रात्रि, मोहल्ला अजमेरी में बहादुर मुफ्ती हैदर हुसैन मरहूम की हवेली के इमामबाड़े में मजलिस हुई और जुल्जनाह, ताबूत व अलम का जुलूस अकीदत के साथ उठा जिसमे लोगों ने जियारत किया । मन्नते मांगी और नौहा पढ़ा मातम कर हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम का गम मनाया। जुलूसे अजा की मजलिस मे सोजख्वानी जीशान अशर ने किया। मजलिस को मौलाना सैय्यद मोहम्मद हसन आब्दी आजमगढ़ी ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि मुहर्रम इस्लाम धर्म के साल का पहला महीना है जिसमें पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे, इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाया जाने वाला गम और शोक का महीना है। कहा कि कर्बला का वाकया केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि इंसानियत, सत्य, न्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का अमर संदेश है। हजरत इमाम हुसैन ने सत्ता, पद या व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि इस्लाम की मूल शिक्षाओं और मानव मूल्यों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि मुहर्रम का महीना हमें सब्र, त्याग, नैतिकता और अन्याय के ख़िलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता है। कर्बला का संदेश यह है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन हों, सत्य और न्याय का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। मौलाना ने लोगों से शांति, भाईचारे और आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि शहीदाने-कर्बला की कुर्बानियों को याद कर उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मजलिस के बाद शबीहे जुल्जनाह व अलम और शबीहे ताबूते अली अकबर बरामद हुआ।

कैडेट रचनात्मक शौक अवश्य रखे : मेजर जनरल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर द्वारा आयोजित सीएटीसी कैंप-318 में विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित उत्तर प्रदेश के एनसीसी मुख्यालय, लखनऊ के एडीजी मेजर जनरल गौरव गौतम का आगमन हुआ। उनके आगमन पर एनसीसी ग्रुप मुख्यालय वाराणसी के ग्रुप कमांडर विकास पंजियार, कैंप कमांडेंट कर्नल आलोक डी सिंह तथा एनसीसी अधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया।मेजर जनरल ने कैंप का निरीक्षण करते हुए कैडेटों को प्रदान किए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ड्रिल, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट, फायरिंग तथा व्यक्तित्व विकास से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन किया। कैडेटों द्वारा प्रस्तुत प्रशिक्षण प्रदर्शन की उन्होंने सराहना करते हुए अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना को एनसीसी की सबसे बड़ी विशेषता बताया। गौतम ने कैडेटों को आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कैडेट के पास कोई न कोई रचनात्मक शौक अवश्य होना चाहिए, आत्मरक्षा में दक्षता प्राप्त करनी चाहिए तथा अपनी आंतरिक प्रतिभा और विशेष क्षमताओं को पहचान कर उन्हें निरंतर निखारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने दूसरी भाषा सीखने, जीवन में निडर एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने तथा जीवन में एक आदर्श रोल मॉडल का अनुसरण करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होने ने कैंप की व्यवस्थाओं और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने 98 यूपी बटालियन एनसीसी की प्रशिक्षण टीम सूबेदार मेजर कृष्ण पाल सिंह, सूबेदार बलवीर सिंह, सूबेदार प्रदीप, सूबेदार शांत राणा, राजीव कुमार, त्रिवेंद्र सिंह चैहान, इशांत शाही, प्रकाश, संजय, अरुण तथा बलवीर कुमार को उत्कृष्ट एवं कुशल प्रशिक्षण के लिए शाबाशी दी।

सीएमओ ने पांच डायरिया चैंपियन को किया सम्मानित

"डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

श्रावस्ती। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की समीक्षा बैठक मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सीएमओ डॉ. अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इसके लिए समुदाय में डायरिया के प्रति जनजागरूकता को बढ़ावा देना अति आवश्यक है। इसके साथ ही डायरिया केस की रिपोर्टिंग भी सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर उन्होंने डायरिया रोकथाम और नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच कार्यकर्ताओं (डायरिया चैम्पियन) को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। इनमें डॉ. सत्य शरण व ब्लाक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) हरिश्चन्द्र ब्लॉक सिरसिया से, बीसीपीएम अखिलेश व आशा कार्यकर्ता नीलम मिश्रा सीएचसी भंगहा से, ए एन एम आशा भारती उपकेंद्र राजापुर रानी से शामिल रहीं। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम में अन्य विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही नगर पालिका व पंचायत विभाग से सहयोग की भी अपेक्षा की।

बैठक में पीएसआई इंडिया के पंकज पाठक ने बताया कि पीएसआई इंडिया द्वारा जनपद श्रावस्ती के प्रमुख स्थानों पर डायरिया से संबंधित दीवार लेखन किया गया है। इसके अलावा 41 छाया ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया गया है। अब तक 1253 आशा कार्यकर्ताओं, 110 एएनएम व 36 आशा संगिनी और 638 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सात मुख्य सेविकाओं का डायरिया पर अभिमुखीकरण किया गया है। इसके साथ ही पीएसआई इंडिया द्वारा पिछले तीन माह के दौरान जिले में आयोजित की गयीं गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। बैठक में एसीएमओ डॉ. के. के. वर्मा, एआरओ सुरेश यादव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) मनीष बिसारिया, डीसीपीएम राकेश गुप्ता के साथ ही पीएसआई इंडिया से रमेश चन्द आदि उपस्थित रहे।

तिरुपति की तरह बांकेबिहारी मंदिर के भक्तों को भी मिलेगा प्रसाद, वृंदावन में व्यवस्था शुरू किए जाने की तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन को आने वाले श्रद्धालु को अब तिरुपति मंदिर की तरह ही मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रसाद दिया जाएगा। हजारों श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद बनाने के लिए उचित स्थान की तलाश सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति कर रही है। समिति का मानना है कि मंदिर के समीप ही कोई बड़ा स्थान मिले, ताकि बड़े स्तर पर प्रसाद तैयार किया जा सके।

जल्द ही इस व्यवस्था को मूर्तरूप दिया जाएगा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में हर दिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आ रहे हैं। यह भीड़ का दबाव झेलते हुए ठाकुरजी की एक झलक पाने को हर दिक्कत का सामना करने को तैयार रहते हैं। लेकिन, मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए

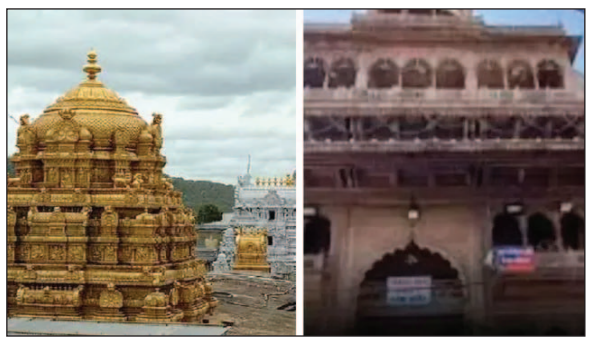

भोग भंडार की कोई व्यवस्था नहीं है, ऐसे में दर्शन के बाद उन्हें ठाकुरजी का प्रसाद नहीं मिल पाता। सेवायतों के यजमान हों या वीवीआइपी श्रद्धालु उन्हें मंदिर सेवायत अपनी ओर से प्रसाद की डलिया भेंट कर देते हैं, लेकिन सामान्य श्रद्धालु इनसे वंचित रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित मंदिर उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति हर श्रद्धालु को प्रसाद उपलब्ध कराएगी। जिस प्रकार तिरुपति मंदिर में भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था है।

उसी तरह अब बांकेबिहारी के भक्तों को भी प्रसाद उपलब्ध करवाने को समिति तैयारी कर रही है। समिति अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया मंदिर में भोग भंडार की व्यवस्था लागू करने की योजना हमारी प्राथमिकता में है। प्रतिदिन गुणवत्तापरक भोग तैयार करने के लिए बड़ा स्थान तलाश मंदिर के पा ही देख रहे हैं। जल्द ही इस व्यवस्था को मूर्तरूप दिया जाएगा।

वर्तमान में यह है भोग अर्पित करने की व्यवस्था

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भोग भंडार की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में मंदिर आने वाले श्रद्धालु बाजार से पेड़ा या दूसरे व्यंजन भोग के रूप में खरीदकर मंदिर में पहुंचते हैं। प्रांगण में खड़े सेवायतों व भंडारियों की सहायता से ठाकुरजी को भोग अर्पित करते हैं। ऐसे में भीड़ अधिक होने के दिनों में ठाकुरजी को भोग अर्पित करने में श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता हे। कई बार श्रद्धालु प्रसाद के डिब्बे से पेड़ा निकालकर ठाकुरजी को ओर उछाल देते हैं, उनकी मान्यता होती है कि ठाकुरजी की ओर पेड़ा अर्पित करने से भोग लग गया।

2002 तक मंदिर में संचालित था भोग भंडार

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में वर्ष 2002 तक भोग भंडार संचालित था। इसके लिए मंदिर प्रबंधन ने परिसर के एक कमरे में काउंटर स्थापित किया था। यहां श्रद्धालु रसीद कटवाकर भोग भंडार से प्रसाद ग्रहण करते थे। लेकिन, सेवायतों की आपसी खींचतान और भोग भंडार के ठेके में शुरू हुए झगड़ों के कारण भोग भंडार बंद कर दिया गया।

तिरुपति में यह व्यवस्था

मंदिर में दर्शन के बाद श्रद्धालु निर्धारित काउंटर पर अपनी सामर्थ्य अनुसार रसीद कटवाता है और फिर वहां से प्रसाद हासिल कर अपने घर ले जाता है।

कोचिंग संस्थानों में चला निरीक्षण अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। लखनऊ में हुए भीषण कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था और मानकों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज करते हुए कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण शुरू कर दिया है।अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच की। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास द्वार, भवन की सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक मानकों का परीक्षण किया गया। सूत्रों के अनुसार कई संस्थानों में अग्नि सुरक्षा से जुड़े आवश्यक इंतजाम नहीं पाए गए, जबकि कुछ स्थानों पर आपात स्थिति से निपटने की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि छात्रों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मानकों का पालन न करने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संचालकों को सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

खुद को रखना है हमेशा खुश, तो आज ही अपना लें ये 5 आदतें

लाइफ में बहुत तरह के उतार-चढ़ाव आते और जाते रहते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो हर छोटी से छोटी बात को लेकर बहुत ज्यादा सोचने लग जाते हैं। लेकिन इससे आपकी मेंटल हेल्थ पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर आप खुश रहना चाहते हैं तो आपको इन आदतों को अपनाने की जरूरत है।

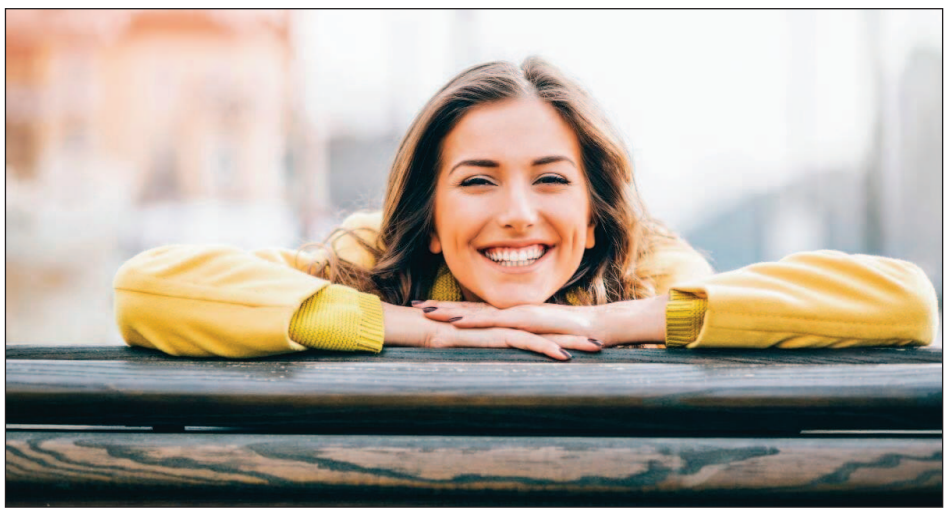

आजकल भागदौड़ से भरी जिंदगी में लोग काम में बहुत ज्यादा व्यस्त रहते हैं। जिसमें कई तरह की परेशानियों के चलते व्यक्ति को स्ट्रेस होने लगता है। लेकिन कुछ लोग उस परिस्थिति का सामना आराम से करते हैं, लेकिन वहीं कुछ लोग उस परिस्थिति के बारे में बहुत ज्यादा सोचते रहते हैं। ऐसे में स्ट्रेस होने बहुत आम बात है। लेकिन अगर आप एक बात को लेकर जरूरत से ज्यादा सोचते हैं तो इससे आपको मेंटल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए आपको लाइफ में एंजॉय करना और खुश रहना चाहिए।

अगर आप भी आसानी से निराश हो जाते हैं और हर छोटी से छोटी बात पर ज्यादा स्ट्रैस लेने लगते हैं तो आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव करने और कई नई आदतों को अपनाने की जरूरत हैं।

मेडिटेशन

अपने दिमाग और मन को शांत करने के लिए मेडिटेशन, माइंडफूलनेस और स्ट्रेस मेनेजमेंट तकनीक अपना सकते हैं। इसके लिए सुबह या शाम जब भी आपको समय मिले। किसी शांत जगह पर बैठें और अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। शुरुआत में आपको इसमें थोड़ी परेशानी होगी, लेकिन लगातार अभ्यास करने के बाद आप धीरे-धीरे सीख जाएंगे।

खुद को समय दें

अपने बिजी शेड्यूल में से कुछ समय अपने लिए भी निकालें। रोजाना कम से कम 25 से 30 मिनट वॉक या एक्सरसाइज के करें। समय पर खाना खाएं। अपनी हॉबी पर ध्यान दें। जैसे कि कुछ लोगों को गर्डनिंग, तो कुछ को पेंटिंग का बहुत शौक होता है। ऐसे में हफ्ते या दिन में कुछ समय इसके लिए निकालें। कई बार लाइट म्यूजिक सुनने में मन बहुत रिलेक्स फील करता है।

पसंदीदा लोगों के साथ समय बिताएं

भले ही आप जितनी मर्जी बिजी हैं लेकिन आपको अपने पसंदीदा लोग के साथ समय बिताना चाहिए। वो लोग जिनके अपनी परेशानी शेयर करने से आपके मन हल्का महसूस हो। साथ ही परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए समय निकालें।

स्वीकार करें

ये बात समझनी बहुत जरूरी है कि आप हर चीज को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं और हालातों को आप बदल नहीं सकते हैं। इसलिए ऐसे में परिस्थिति को स्वीकार करें। उन बातों को लेकर स्ट्रेस न लें, जिन्हें कंट्रोल करना आपके हाथ में नहीं हैं।

पॉजिटिव माइंडसेट

हालात चाहे जैसे भी हो लेकिन हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और परिस्थिति का समझदारी से सामना करना चाहिए। इसकी से साथ अपने विचारों को हमेशा पॉजिटिव रखने का प्रयास करें। क्योंकि अगर आप हर बात को लेकर नेगेटिव सोचेंगे तो आप कभी खुश नहीं रह पाएंगे। इसलिए अपनी लाइफ में आने वाली हर छोटी से बड़ी खुशी को सेलिब्रेट करें और खुश रहने का प्रयास करें।

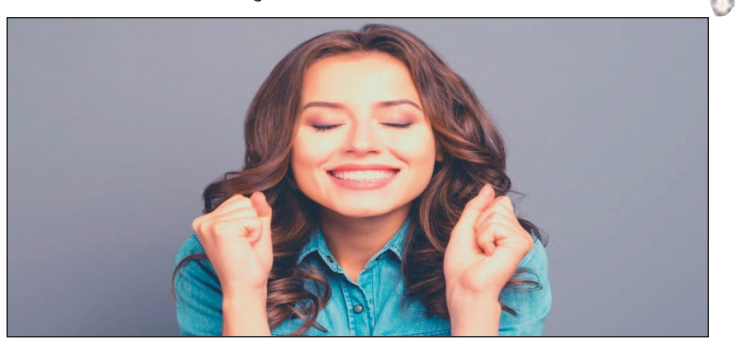

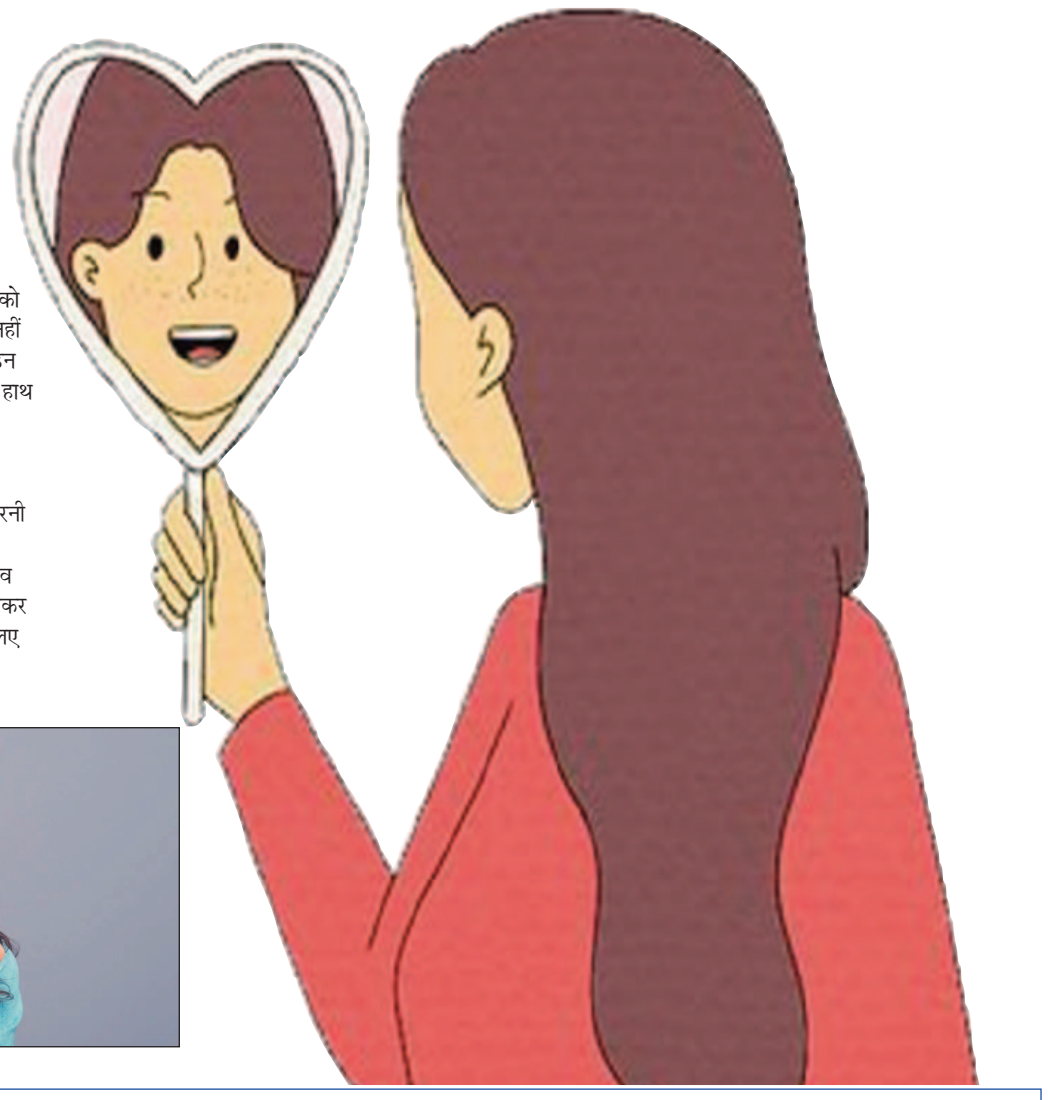

एसिडिटी और पेट का भारीपन कर देता है परेशान तो खाने के बाद चबा लें ये 4 चीजें

एसिडिटी, अपच, पेट में गैस होना काफी नॉर्मल समस्याएं होती हैं, लेकिन कुछ लोगों को अक्सर इस से दो चार होना पड़ता है। इसके पीछे की वजह कमजोर पाचन हो सकता है। जिन लोगों को खाना खाने के बाद हमेशा भारीपन, एसिडिटी, गैस या अपच की समस्या रहती हो तो खानपान में ऐसी चीजें शामिल करनी चाहिए जो काफी हल्की हो और फाइबर से भरपूर हो ताकि आसानी से पच जाएं। इसके अलावा आपके घर की रसोई में ही कुछ ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो आपको पाचन संबंधित समस्याओं से बचाने और राहत दिलाने में हेल्प फुल रहती हैं।

पाचन संबंधित दिक्कतें लगातार बनी रहें तो इसको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि खाना सही से न पचने पर शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। इसके अलावा यह देखना चाहिए कि खराब पाचन के पीछे कोई और वजह तो नहीं है। फिलहाल जान लें ऐसी चीजों के बार में जो खाना खाने के बाद चबा लेंगे तो पाचन सही तरह से होगा और आप गैस, अपच, एसिडिटी जैसी दिक्कतों से बचे रहेंगे।

सौंफ

पहले के समय में खाना खाने के बाद लोग सौंफ जरूर चबाते थे और शादी-पार्टियों में भी आपने सौंफ रखी हुई जरूर देखी होगी। दरअसल इसके पीछे की वजह यह होती है कि खाना खाने के बाद अगर सौंफ को चबाया जाए तो इससे खाना सही से पच जाता है और आप पेट के भारीपन, गैस जैसी दिक्कतों से बच जाते हैं।

अजवाइन

पाचन सुधार की बात करें तो अजवाइन एक बढ़िया मसाला है। खाना खाने के बाद एसिडिटी, भारीपन या पेट दर्द से बचने के लिए या फिर राहत पाने के लिए अजवाइन को चाहें तो चबा सकते हैं या फिर इसका पानी पी सकते हैं। यह काफी फायदेमंद रहता है। इसके अलावा मुंह में दो चार अजवाइन के दाने डालकर चबाने से आप मुंह की बदबू से भी बचे रहते हैं।

हरी इलायची

भारतीय रसोई में हरी इलायची का इस्तेमाल सब्जी, पुलाव जैसी मसालेदार डिशेस से लेकर खीर, हलवा जैसे डेजर्ट में भी इस्तेमाल होती है। इलायची नेचुरल माउथ फ्रेशनर का काम तो करती ही है, ये आपके पाचन के लिए भी सही रहती है। हरी इलायची को आप खाना खाने के बाद चबा सकते हैं।

हींग

चुटकीभर हींग का तड़का अगर दाल या सब्जी में लगा दिया जाए तो पूरे घर में खुशबू फैल जाती है और खाने का स्वाद भी दोगुना हो जाता है। वहीं हींग पाचन के लिए भी बेहद फायदेमंद रहती है। खाना खाने के बाद गैस की समस्या हो या फिर भारीपन महसूस हो रहा हो तो हींग को गुनगुने पानी के साथ लेने से आराम मिलता है।

विटामिन बी12 क्यों जरूरी है और इसकी कमी को पूरा कैसे किया जा सकता है?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शरीर को पर्याप्त मात्रा में अलग-अलग विटामिन्स, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट्स, फाइबर और प्रोटीन की जरूरत होती हैं। इन्हीं जरूरी पोषक तत्वों में विटामिन बी12 भी शामिल है। अगर शरीर में इसकी कमी हो जाए तो इससे सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आइए जानते हैं शरीर में विटामिन बी12 की कमी से क्या होता है और इसकी कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है।

विटामिन्स हमारे स्वास्थ्य के लिए कितने जरूरी है ये तो हम सब जानते है और यह भी कि हर विटामिन का हमारे शरीर में अलग काम है। लेकिन फिर भी कुछ विटामिन हमारे लिए बेहद जरूरी होते हैं जिनकी कमी से हमें कई शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें विटामिन बी12 भी शामिल है।

ये एक खास विटामिन है जिसकी कमी की वजह से कई शारीरिक समस्याएं होने की संभावना बढ़ जाती है। क्या आपको मालूम है कि विटामिन बी12 की कमी का इलाज ना कराने पर शारीरिक, न्यूरोलॉजिकल और मनोवैज्ञानिक समस्याएं हो सकती हैं, विटामिन बी12 हमारे शरीर के लिए इतना महत्वपूर्ण है ये बात काफी कम लोग ही जानते है। आइए जानते है कि विटामिन बी12 क्या है और इसकी कमी से हमें क्या क्या परेशानियां हो सकती है।

विटामिन बी12

विटामिन बी12 एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जो आपके शरीर के नर्वस सेल्स और ब्लड सेल्स को स्वस्थ रखने में मदद करता है। आपका शरीर अपने आप विटामिन बी 12 नहीं बनाता है, इसलिए आपको इसे प्राप्त करने के लिए विटामिन बी 12 वाले खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों का सेवन करना होता है।

हमारे द्वारा खाए गए खाने से विटामिन बी12 को अब्सॉर्ब करने के लिए हमारे शरीर को दो चीजों की जरूरत होती है। सबसे पहले, आपके पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड उस भोजन से विटामिन बी 12 को हटा देता है जिसमें वह था। तब, अलग हुआ विटामिन बी 12 पेट द्वारा बनाए गए प्रोटीन के साथ जुड़ जाता है, जिसे आंतरिक कारक कहा जाता है और शरीर उन्हें एक साथ अब्सॉर्ब कर लेता है।

शरीर में विटामिन बी12 क्यों कम हो जाता है?

एमडी कंसल्टेंट डॉक्टर कमलजीत कैंथ का कहना है कि अगर किसी को पेट या छोटी आंत से जुड़ी किसी तरह की समस्या है, जैसे कि सीलिएक रोग या क्रोहन रोग तो ऐसे में व्यक्ति का शरीर भोजन से पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी12 को अब्सॉर्ब नहीं कर पाता है। जिसके कारण शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाती है। इसके अलावा अगर व्यक्ति शाकाहारी आहार का ही सेवन करता है, यानी जानवरों से प्राप्त खाद्य पदार्थ का सेवन नहीं करते हैं तो इसके कारण भी बी12 की कमी का खतरा रहता है।

जिन लोगों की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी हुई है जैसे गैस्ट्रिक बाईपास उन्हें भी विटामिन बी 12 को अवशोषित करने में कठिनाई हो सकती है।

विटामिन बी12 की कमी के लक्षण

शरीर में विटामिन बी12 की कमी होने पर कई तरह के लक्षण दिखाई दे सकते हैं। जिसमें लगातार थकान बने रहना, चक्कर आना, सांस फूलना, मांसपेशियों में कमजोरी, वजन कम होना और मानसिक स्थिति खराब होना शामिल है।

विटामिन बी12 की कमी से क्या होता है?

फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा में इंटरनल मेडिसिन विभाग के डॉ। अजय अग्रवाल का कहना है कि विटामिन बी12 शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। ये ब्रेन फंक्शन हो बेहतर बनाएं रखने और शरीर को कई तरह की समस्याओं से बचाने में मदद करता है।

लेकिन अगर शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो इससे एनीमिया यानी की शरीर में खून की कमी होने का रिस्क भी बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं में भी एनीमिया का रिस्क ज्यादा होता है। उसका असर उनके होने वाले बच्चे की सेहत पर भी पड़ सकता है।

विटामिन बी12 कम होने के कारण एनीमिया कैसे होता है?

विटामिन बी12 शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने का काम करता है। ऐसे में विटामिन बी12 कम होने के कारण अगर किसी के शरीर में रेड ब्लड सेल्स नहीं बन पाते हैं तो खून की कमी होने लगती है।

रोजाना कितनी मात्रा में विटामिन बी12 लेना जरूरी है?

न्यूट्रिशनिस्ट डॉक्टर परमजीत कौर के मुताबिक विटामिन बी12 की मात्रा हर व्यक्ति की उम्र और दूसरे कारकों के मुताबिक अलग-अलग होती है। एक्सपर्ट के मुताबिक 14 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों को एक दिन में 2.14 माइक्रोग्राम विटामिन बी12 की जरूरत होती है। वहीं प्रेग्नेंसी में 2.16 माइक्रोग्राम और ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली महिलाओं में 2.13 माइक्रोग्राम रोजाना विटामिन बी12 की जरूरत होती है।

किन फूड्स में होता है विटामिन बी12?

लेकिन विटामिन बी12 की कमी को दूर करने का सबसे आसान उपाय अपने आहार में बदलाव करना। अगर आप ऐसा आहार लेते है जिसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन बी12 हो तो जल्द ही इसकी कमी दूर की जा सकती है। साथ ही इसकी वजह से होने वाली समस्याएं भी दूर हो जाएंगी मांस, अंडे, दूध, ब्रोकोली, ब्रसल स्प्राउट, पनीर, चने, ब्रसल स्प्राउट और भूरे रंग के चावल में विटामिन बी12 भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

विटामिन बी12 के लिए इंजेक्शन या दवा क्या है सही?

अगर शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो डॉक्टर इससे भरपूर फूड्स के साथ दवा या इंजेक्शन लेने की सलाह देते हैं. लेकिन दोनों में से क्या बेस्ट हैं? डॉक्टर जुगल किशोर का कहना है कि अगर शरीर में विटामिन बी12 की मात्रा 30 pg/ml से कम है तो ये खतरनाक मानी जाती है. इस स्थिति में इसकी कमी को पूरा करने के लिए इंजेक्शन लगाने की सलाह दी जा सकती है. लेकिन अगर शरीर में विटामिन बी12 की मात्रा 50 से 170 के बीच है तो एक्सपर्ट इसकी दवाएं लेने की सलाह देते हैं. लेकिन इंजेक्शन या गोली दोनों की डॉक्टर के बताए मुताबिक लेनी चाहिए.

डाइजेस्टिव सिस्टम खराब होने से शरीर का विटामिन बी 12 को अब्सॉर्ब करना मुश्किल हो जाता है इसलिए सुनिश्चित करें कि आपका डाइजेस्टिव सिस्टम ठीक रहे. विटामिन बी 12 काफी आम समस्या है लेकिन इससे बचना हमारे स्वयं के हाथ में है क्योंकि ध्यान रखिए आप जैसा आहार लेंगे वैसा ही आपका शरीर बनेगा.

अंबानी के सैटेलाइट इंटरनेट प्लान पर ब्रेक? दूरसंचार विभाग के नए ड्राफ्ट नियमों ने बढ़ा दी जियो सैटकॉम की मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार नियम, 2026 का ड्राफ्ट जारी किया है। इसके तहत देश में सैटेलाइट कम्युनिकेशंस सेवाएं शुरू करना अब आसान नहीं होगा। नए नियमों के मुताबिक, एलन मस्क की स्टारलिंक, जियो सैटकॉम और यूटेलसैट वनवेब जैसी वैश्विक और घरेलू कंपनियों को व्यावसायिक परिचालन शुरू करने के लिए केवल दूरसंचार विभाग का लाइसेंस मिलना ही काफी नहीं होगा, बल्कि उन्हें कई स्तरों पर कड़ी सुरक्षा मंजूरियों से गुजरना होगा।

इस ड्राफ्ट नीति की सबसे बड़ी बात यह है कि कंपनियों को प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत रेडियो तरंगें (स्पेक्ट्रम) मिलने के बाद भी अंतिम उपभोक्ता तक सेवा पहुंचाने के लिए सरकार से अलग से सुरक्षा मंजूरी लेनी होगी। नियमों के अनुसार, यदि केंद्र सरकार ने आवश्यक उपकरण लगाने की मंजूरी से पहले किसी कंपनी को लेटर ऑफ इंटेंट जारी भी कर दिया है, तो भी स्पेक्ट्रम आवंटन तभी वैध माना जाएगा जब सभी आवश्यक सुरक्षा जांचें पूरी हो जाएंगी। इसके बाद ही कंपनियां आम जनता के लिए सैटेलाइट फोन और ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू कर पाएंगी।

वित्तीय ढांचे की बात करें तो सैटेलाइट कंपनियों को स्पेक्ट्रम के लिए नीलामी की प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। सरकार इन्हें प्रशासनिक प्रक्रिया के जरिए रेडियो तरंगें आवंटित करेगी। इसके लिए कंपनियों को 30,000 रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का वार्षिक शुल्क देना होगा। यह शुल्क सेवा के प्रकार और प्रति-टर्मिनल के आधार पर तय किया जाएगा। इसके अलावा 1,000 रुपये का नॉन-रिफंडेबल आवेदन शुल्क भी लागू होगा। हालांकि, स्पेक्ट्रम की वास्तविक दरें बाजार मूल्य के आधार पर ही तय की जाएंगी।

ड्राफ्ट नियमों में नेटवर्क कनेक्टिविटी को लेकर भी बेहद सख्त रुख अपनाया गया है। नए नियमों के तहत कोई भी सैटेलाइट कंपनी सरकार की लिखित अनुमति के बिना अपने सैटेलाइट नेटवर्क को देश के मौजूदा सार्वजनिक टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क से नहीं जोड़ सकती। इसका मतलब है कि ये कंपनियां सामान्य लैंडलाइन, पब्लिक स्विच्ड टेलीफोन नेटवर्क, पब्लिक लैंड मोबाइल नेटवर्क और स्टैंडर्ड इंटरनेट नेटवर्क से सीधे कनेक्ट नहीं हो पाएंगी।

दूरसंचार विभाग ने इस ड्राफ्ट को 17 जून, 2026 को अधिसूचित किया है। सरकार ने सभी संबंधित पक्षों और आम जनता को इस पर अपने विचार और सुझाव देने के लिए 30 दिनों का समय दिया है। इस अवधि के बाद प्राप्त फीडबैक के आधार पर ही अंतिम रूपरेखा तैयार की जाएगी। इन सख्त नियमों के कारण भारत में सैटेलाइट इंटरनेट के कमर्शियल लॉन्च में अभी और देरी होने की संभावना है।

राशन कार्ड धारकों की लगी लॉटरी! सरकार का बड़ा फैसला, अब किसी भी दुकान से लें अलग-अलग अनाज

देश के करोड़ों राशन कार्ड धारकों के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ी राहत भरी घोषणा की है। वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत अब राशन वितरण की पूरी व्यवस्था को बदल दिया गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा के अनुसार, अब लाभार्थियों को अपना पूरा अनाज एक ही राशन दुकान से लेने की मजबूरी नहीं होगी। नई व्यवस्था के तहत राशन कार्ड धारक अपनी सुविधा के अनुसार देश की किसी भी राशन दुकान से अलग-अलग अनाज का उठाव कर सकते हैं। यानी अब आप एक दुकान से गेहूं और दूसरी दुकान से चावल ले सकेंगे।

सरकार ने इस नई व्यवस्था को बिल्कुल बैंक के एटीएम की तरह लचीला बनाया है। जिस तरह कोई भी व्यक्ति अपनी जरूरत के हिसाब से किसी भी एटीएम से पैसे निकाल सकता है, ठीक उसी तरह अब राशन कार्ड धारक भी देश के किसी भी कोने में स्थित सरकारी गल्ले की दुकान से अपनी पसंद और जरूरत के मुताबिक खाद्यान्न ले सकेंगे। इस कदम से राशन दुकानों पर लगने वाली लंबी कतारों, मशीन में अंगूठा न लगने की तकनीकी दिक्कतों और दुकान में स्टॉक खत्म होने पर खाली हाथ लौटने जैसी समस्याओं से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी।

इस ऐतिहासिक बदलाव का सबसे सीधा और बड़ा लाभ देश के उन लाखों प्रवासी मजदूरों और दिहाड़ी कामगारों को मिलेगा, जो आजीविका के लिए अपने गांव या राज्य को छोड़कर दूसरे शहरों में रहते हैं। अब उन्हें राशन के लिए अपने गृह राज्य या गांव की दुकान पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। वे जहां भी काम कर रहे हैं, वहीं के नजदीकी राशन डीलर के पास जाकर केवल अपने आधार कार्ड और बायोमेट्रिक (फिंगरप्रिंट या आइरिस स्कैन) के जरिए अपने हिस्से का मुफ्त या रियायती अनाज प्राप्त कर सकते हैं।

इस व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक कर रही है। देश की सभी राशन दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक वेइंग मशीन को सीधे ई-पॉस मशीनों से जोड़ा जा रहा है, जिससे घटतौली की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। साथ ही, मेरा राशन 2.0 मोबाइल ऐप के जरिए लाभार्थी घर बैठे ही अपने बचे हुए राशन के कोटे, नजदीकी दुकान और आधार लिंकिंग की स्थिति की जांच कर सकते हैं। इस पूरी व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के लिए लाभार्थियों का राशन कार्ड आधार से लिंक होना अनिवार्य है।

उपराष्ट्रपति का 'पाकिस्तान प्यार', अपने घर में उलझे वेंस, उनके ही सांसदों ने घेरा और दिखाया आईना

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ बात करने स्विट्जरलैंड जाने वाले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने ही देश में फंसते दिख रहे हैं। 2 दिन पहले वेंस ने अपने एक बयान में इस्लामाबाद को लेकर खासा "प्यार" जताया था। उनके इस प्यार भरे एहसास को उनके ही देश और पार्टी में पसंद नहीं किया जा रहा है। अमेरिका के 2 रिपब्लिकन सीनेटरों ने वेंस पर निशाना साधा। साथ ही पाकिस्तान और कतर के "आतंकवादियों को पनाह देने" के इतिहास की ओर इशारा भी किया।

सीनेटर रिक स्कॉट ने सोमवार को सोशल मीडिया X पर अपने एक पोस्ट में कहा, "अब तक हर किसी को यह साफ हो जाना चाहिए कि हमारे असली दोस्त कौन हैं। पाकिस्तान और कतर का आतंकवादियों को पनाह देने का लंबा इतिहास रहा है। अभी वे ईरान के दशकों पुराने आतंकी अभियान को बढ़ावा देने में अधिक दिलचस्पी ले रहे हैं, बजाए इसके किसी सार्थक शांति समझौता के।"

पाकिस्तान ने ओसामा को छिपा कर रखा : शीही

फ्लोरिडा के सीनेटर की यह टिप्पणी स्विट्जरलैंड में वेंस के "हम पाकिस्तान से प्यार करते हैं" वाले बयान के बाद आई है, जहां उपराष्ट्रपति पाकिस्तान और कतर के नेताओं के साथ ईरान के साथ शांति समझौते की तकनीकी बारीकियों पर बातचीत कर रहे थे। स्कॉट ने कहा, "अभी भी एक ऐसे व्यावहारिक समझौते की गुंजाइश है जिससे हर किसी को फायदा हो। हालांकि, सभी को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि ईरान के परमाणु हथियार बनाने की स्थिति में आने की संभावना अब जीरो हो गई है।" स्कॉट के अलावा मोंटाना के सीनेटर टिम शीही ने भी एक अमेरिकी न्यूज चैनल फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में आतंकी संगठन अल-कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को पनाह देने में पाकिस्तान की भूमिका का जिक्र किया। शीही ने कहा, "पाकिस्तान, हमें यह नहीं भूलना चाहिए, पाकिस्तान ने एक दशक तक ओसामा को छिपाकर अपने घर में रखा। उसने ISI के जरिए अयातुल्ला को फंड दिया।"

पाकिस्तान बातचीत में निष्पक्ष नहीं होगा : शीही

US नेवी के पूर्व SEAL शीही ने यह भी कहा कि अगर पाकिस्तान और कतर बातचीत में शामिल हैं, तो अमेरिका को भी बातचीत के लिए UAE, इजराइल और सऊदी अरब को शामिल करना चाहिए। शीही ने कहा कि UAE, इजराइल और सऊदी अरब मध्य पूर्व में अमेरिका के असली सहयोगी हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाते हुए कहा कि कतर दशकों से आतंकवादी संगठनों के लिए मनी लॉन्ड्रिंग कर रहा है। मोंटाना के सीनेटर शीही ने कहा, "पाकिस्तानियों ने ISI के जरिए हमारे खिलाफ बगावत को फंड दिया और आसोमा बिन लादेन को छिपाए रखा। इसलिए यह मान लेना कि वे यहां निष्पक्ष मध्यस्थ होंगे, मुझे सही नहीं लगता।"

क्या कहा था उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने

इससे पहले हल्के-फुल्के अंदाज़ में, उपराष्ट्रपति वेंस ने रविवार को कहा था कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर उनके 2 "पसंदीदा" लोगों में से एक हैं। वेंस ने कहा, "जब से फील्ड मार्शल मुनीर ने इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री (शाहबाज शरीफ) के साथ हमारा स्वागत किया है, तब से मैं मजाक में कहता रहा हूं कि मेरी जिंदगी में 2 बहुत अहम लोग हैं- एक भारतीय और एक पाकिस्तानी। भारतीय मेरी पत्नी हैं और पाकिस्तानी फील्ड मार्शल मुनीर हैं।" उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा था कि पिछले 3 महीनों में उन्होंने मुनीर से "किसी भी अन्य शख्स" की तुलना में कहीं अधिक बात की है।

हादसा दुखद, पीड़ित भारतीय नागरिकों के परिवारों की मदद कर रहा दूतावास... कतर की फैक्ट्री में हादसे पर बोले जयशंकर

कतर, एजेंसी। कतर के रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में एक फैक्ट्री में हुए जोरदार धमाके की वजह से 12 भारतीयों की मौत हो गई। हादसे में कुल 13 लोगों की मौत हुई है। हादसे में मारे गए भारतीयों की मौत पर दुख जताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह बहुत ही दुखद है। हमारा दूतावास कतर के अधिकारियों के संपर्क में है। दूतावास प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिवारों की मदद करने में जुटा है।

हादसे को लेकर विदेश मंत्री डॉ। एस। जयशंकर ने कहा, "कतर के रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में हुए धमाके में भारतीय नागरिकों समेत कई लोगों की मौत और घायल होने की खबर से बहुत दुख हुआ है। जैसे-जैसे और जानकारी मिल रही है, हमारा दूतावास कतर के अधिकारियों से लगातार संपर्क

में है। दूतावास इस हादसे से प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिवारों की मदद करने की कोशिश कर रहा है। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।"

मरने वालों में 12 भारतीय, 1 पाकिस्तानी

इससे पहले कतर के अधिकारियों ने कल बताया था कि रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में रविवार को एक फैक्ट्री में हुए धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय नागरिक शामिल हैं। दोहा में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया X पर अपने एक पोस्ट में कहा, "कतर के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कल रात रास लाफान में हुई घटना में दुर्भाग्य से 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है।" रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुए धमाके में कई भारतीयों समेत 66 लोग घायल हो गए। कतर के अधिकारियों का हवाला देते हुए भारतीय दूतावास ने कहा, "सभी घायलों की हालत स्थिर हैं और उन्हें उचित इलाज मिल रहा है। हमारा दूतावास कतर के अधिकारियों के साथ मिलकर इस घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को हर संभव मदद देने के लिए काम कर रहा है, जिसमें मृतकों के शवों को जल्द से जल्द भारत भेजना भी शामिल है।"

तकनीकी खराबी की वजह से हुआ हादसा

इससे पहले सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, कतर के ऊर्जा मंत्री साद बिन श्रीदा अल-काबी ने बताया कि इस हादसे में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के 13 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में घायलों में कतर के अलावा, भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, केन्याई, घानाई, तंजानियाई, नाइजीरियाई और नेपाली नागरिक भी शामिल हैं। इससे पहले, भारतीय दूतावास ने भी इस "दुर्भाग्यपूर्ण हादसे" पर "गहरी चिंता" जताई। दूतावास ने कहा, "इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में, भारतीय दूतावास और कतर में भारतीय समुदाय कतर की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं और लापता लोगों की सुरक्षा के लिए उम्मीद और प्रार्थना करते हैं।"

2 दिन पहले ही शुरू हुआ था प्रोडक्शन

मंत्रालय का कहना है कि अधिकारी हादसे के सही तकनीकी कारणों और हादसे से जुड़ी सभी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं। फिलहाल वहां पर हादसे की वजह से कोई रिसाव नहीं हुआ और इससे लोगों की सुरक्षा या आस-पास के पर्यावरण को कोई खतरा नहीं है। इससे पहले, कतर एनर्जी की ओर से बताया कि यह घटना रविवार शाम को बार्जान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में ऑपरेशन शुरू करने के दौरान हुई, जिससे वहां जोरदार धमाका हो गया और आग लग गई। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम और कतर की सिविल डिफेंस ने घटनास्थल पर आग को तेजी से और पूरी तरह बुझा दिया। कंपनी की ओर से जारी बयान में यह भी कहा गया है कि जरूरी मेंटेनेंस की वजह से बार्जान में प्रोडक्शन दिसंबर 2025 से पूरी तरह बंद था और इसे घटना से 2 दिन पहले ही फिर से शुरू किया गया था।

वो मेरे अच्छे दोस्त, लेकिन खुद को पहुंचाई चोट... स्टार्मर के इस्तीफे पर ऐसा क्यों बोले ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने को ब्रिटेन के निवर्तमान प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर (Keir Starmer) की तीखी आलोचना की। लेबर पार्टी के नेता स्टार्मर के इस्तीफे के ऐलान के बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा, इमिग्रेशन और वॉशिंगटन के साथ संबंधों को संभालने में खुद को बहुत नुकसान पहुंचाया है।

सोमवार (22 जून) को ओवल ऑफिस में ट्रंप ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा 'मुझे लगता है कि वह एक अच्छे इंसान है'। लेकिन साथ ही ट्रंप स्टार्मर पर नॉर्थ सी तेल का दोहन करने में विफल रहने और हर जगह पवन चक्कियों को लगाने की अनुमति देकर ब्रिटेन की ऊर्जा नीति को गलत तरीके से संभालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि

स्टार्मर ने ब्रिटेन की ऊर्जा नीति को बिगाड़ दिया।

नॉर्थ सी में तेल और गैस के बड़े संसाधन मौजूद'

ट्रंप ने कहा ' ब्रिटेन अपनी ऊर्जा का बड़ा हिस्सा कहां से खरीदता है? नॉर्वे से और नॉर्वे तेल कहां से लाता है? नॉर्थ सी से। ब्रिटेन के पास नॉर्थ सी का बहुत बेहतर हिस्सा है, लेकिन पर्यावरण के नाम पर वो इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहते'। उन्होंने कहा कि नॉर्थ सी में तेल और गैस के बड़े संसाधन मौजूद हैं, लेकिन सरकार उनका इस्तेमाल नहीं कर रही।

ट्रंप ने की थी इस्तीफे की भविष्यवाणी

ट्रंप ने पहले ही ट्रुथ सोशल पर कीर स्टार्मर के इस्तीफे की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने कहा कि स्टार्मर एक तरह से मेरे दोस्त हैं लेकिन NATO और ईरान युद्ध में अमेरिका का पर्याप्त समर्थन नहीं किया।

दोनों नेताओं के बीच मतभेद

दोनों नेताओं के बीच ईरान पर हमले के लिए साइप्रस में ब्रिटिश सैन्य अड्डों के इस्तेमाल को लेकर मतभेद पैदा हो गया था। ट्रंप ने निराशा जताई था कि साइप्रस में RAF अक्रोटिरी बेस का इस्तेमाल ईरानी ठिकानों पर बमबारी की US की मांग को मंजूरी देने में ब्रिटेन ने बहुत ज्यादा समय लिया। ट्रंप ने कहा 'उन्होंने कहा कि हम द्वीप पर लैंडिंग की अनुमति नहीं दे सकते। ऐसा पहली बार हुआ था। उन्होंने कहा कि स्टार्मर आखिरकार मान गए लेकिन यह एक बुरा कदम थाजिसने उन्हें बहुत नुकसान पहुंचाया।

'उनके सामने तीन बड़ी समस्याएं'

हालांकि आलोचना के बाद ट्रंप ने स्टार्मर के लिए शुभकामनाएं भी व्यक्त कीं। उन्होंने कहा 'मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, लेकिन उनके सामने तीन बड़ी समस्याएं थीं- ऊर्जा, इमिग्रेशन और अपराध'। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब ब्रिटेन की राजनीति में नेतृत्व संकट को लेकर चर्चा तेज है। स्टार्मर की सरकार को हाल के समय में आर्थिक दबाव, प्रवासन नीति और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है।

स्टार्मर ने दिया इस्तीफा

स्टार्मर ने सोमवार को लेबर नेता के पद से इस्तीफे का ऐलान किया, लेकिन सुचारु सत्ता हस्तांतरण तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे।खराब स्थानीय चुनाव नतीजों के बाद पार्टी सांसदों के दबाव में उन्होंने यह कदम उठाया। लेबर पार्टी के अनुभवी नेता और ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर एंडी बर्नहैम के संसद में लौटने के के बाद PM बनने की संभावना है। अगर ऐसा हुआ तो वो एक दशक में ब्रिटेन के सातवें प्रधानमंत्री बनेंगे।

तेजी से बदल रही दुनिया, एनएसए डोभाल ने ब्रिक्स को क्यों बताया ग्लोबल साउथ की नई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स देशों के एनएसए की बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बहुत मुश्किल और अनिश्चित दौर से गुजर रही है। जगह-जगह युद्ध हो रहे हैं। अर्थव्यवस्था की हालत खराब है। हर जगह उथल-पुथल मचा है। नई टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से दुनिया को बदल रही हैं। पुरानी व्यवस्थाएं फेल हो रही हैं।

डोभाल ने कहा कि दुनिया की समस्याओं को सुलझाने के लिए जो पुराने नियम और संस्थाएं बनी थीं, वे अब कमजोर और नाकाफी साबित हो रही हैं। देशों के बीच आपसी सहयोग कम हो रहा है। ऐसे मुश्किल समय में ब्रिक्स की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि दुनिया की ताकत सिर्फ एक या दो देशों के हाथों में न रहे, बल्कि ग्लोबल साउथ की बात भी दुनिया में मजबूती से सुनी जाए।

एनएसए डोभाल ने कहा कि ब्रिक्स शांति और विकास में विश्वास रखने वाला एक बेहतरीन गठबंधन है। यह समूह समय के साथ और ज्यादा ताकतवर हो रहा है। इसके अलावा उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच हाल में हुए शांति समझौते पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका और ईरान के बीच हुए एमओयू का स्वागत करता है। हमें इस मामले में सावधानी के साथ उम्मीद है और हमें आशा है कि यह सफल होगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। होर्मुज का खुलना एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है।

उन्होंने कहा कि इससे सप्लाई चेन की बाधाएं दूर होंगी और उर्वरक व रसायन जैसे क्षेत्रों में कई तरह की कमी को पूरा किया जा सकेगा। साथ ही, इस क्षेत्र और इसके बाहर के देशों को मिलने वाली आवाजाही की आजादी से संभवतः हमारी आर्थिक समृद्धि में भी काफी सुधार होगा। बता दें कि ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा

विजय की टीवीके सिर्फ डीएमके का मास्क, यह भी सनातन विरोधी... दीपम विवाद पर बोले शहजाद पूनेवाला

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले की थिरुपरनकुंद्रम की पहाड़ी पर दीप जलाने के मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। जनवरी में आए हाई कोर्ट के फैसले के बाद दीपम विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास पत्थर के खंभे के ऊपर दीपक जलाने की अनुमति दी गई थी। बीजेपी का कहना है कि राज्य की विजय की अगुवाई वाली TVK सरकार भी सनातन विरोधी है।

राज्य में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि हिंदू धर्म की आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। समाचार एजेंसी PTI से बातचीत के दौरान बीजेपी नेता शहजाद पूनेवाला ने तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधते हुए कहा

कि विजय के शासन में हिंदू धर्म को दूसरे नागरिक का दर्जा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि विजय की अगुवाई वाली सत्तारुढ़ टीवीके पार्टी कुछ नहीं सिर्फ वह डीएमके पार्टी का मास्क है जो उसी की तरह सनातन विरोधी भी है।

पूनेवाला ने कहा कि तमिलनाडु में किसी भी पार्टी को हिंदू धर्म की आस्था का ख्याल नहीं है। राज्य के किसी भी विधायक, मंत्री और यहां तक कि मुख्यमंत्री ने भी पहाड़ी पर कार्तिकई दीपक जलाने का समर्थन नहीं किया है। इस तरह का रवैया यह दिखाता है कि वहां के किसी भी नेता को हिंदुओं की भावनाओं और आस्था की परवाह नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इसमें शामिल हैं।

CM बदलो, हिंदू विचारधारा नहीं: पूनेवाला

सरकार पर नाराजगी जताते हुए पूनेवाला ने कहा कि मद्रास हाईकोर्ट के सिंगल और फिर डबल डीविजन बेंच के फैसले के बाद भी टीवीके की सरकार तिरुप्परंकुंद्रम की पहाड़ी पर दीप जलाने को लेकर असंतुष्ट नजर आ रही है। अब राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जो पूरी तरह से दिखाता है कि यह सनातनी हिंदू के खिलाफ उठाया गया कदम है। इस सरकार का स्वभाव हिंदू विरोधी है। तमिलनाडु की सरकारों ने हिंदुओं को सिर्फ एक वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि राज्य के लोगों को मुख्यमंत्री बदलने की जरूरत है , न कि हिंदू विचारधारा को। यह मामला दीप स्तम्भ जलाने को लेकर हिंदू धर्म परिषद की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें संस्था ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में तिरुपरंकुंद्रम मंदिर और इससे जुड़े धार्मिक अधिकारों को लेकर कई महत्वपूर्ण मांगें की गई हैं।

'दीपम विवाद' अब सुप्रीम कोर्ट में

तमिलनाडु सरकार की ओर से यह स्पेशल लीव पिटिशन मद्रास हाई कोर्ट (मदुरै बेंच) की डिवीजन बेंच के 6 जनवरी के आदेश के खिलाफ दायर की गई है। इस आदेश में पिछले साल दिसंबर में सिंगल बेंच द्वारा दिए गए उस आदेश को बरकरार रखा गया था, जिसमें उस जगह पर 'कार्तिगई दीपम' जलाने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट में राज्य की याचिका 11 जून को दायर की गई, जब TVK के विजय की अगुवाई वाली नई सरकार ने कार्यभार संभाला। हाई कोर्ट का आदेश उन लोगों द्वारा दायर रिट याचिकाओं पर पारित किया गया था, जिन्होंने थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ियों के ऊपर 'दीपा थून' (पत्थर के दीपक वाले खंभे) पर दीपक जलाने का अधिकार मांगा था। यह जगह पहाड़ी पर स्थित एक दरगाह से करीब 50 मीटर दूर है। राज्य के HR&CE विभाग, जो पहाड़ी के नीचे भगवान सुब्रमण्य मंदिर का प्रबंधन करता है, ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि 'दीपा थून' पर दीपक जलाने की कोई परंपरा नहीं है, क्योंकि पारंपरिक रूप से इसे दूसरी जगह पर जलाया जाता था।

झुमके, बिंदी ...और मुस्कान, साड़ी में कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों वेब सीरीज अब होगा हिसाब को लेकर सुर्खियों में हैं। यह सीरीज 8 जून को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई है। मौनी के अलावा इसमें शाहीर शेख और संजय कपूर भी हैं। इस बीच मौनी अपने साड़ी लुक को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं।

मौनी रॉय ने आज शनिवार को अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वे साड़ी पहने स्टाइलिश पोज देती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, हमेशा एक साड़ी वाली लड़की।

मौनी रॉय गोल्डन कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने लाल रंग के ब्लाउज के साथ कैरी किया है। इसके साथ उन्होंने छोटी सी लाल बिंदी और मैचिंग झुमकों से लुक कंपलीट किया है।

मौनी रॉय का हेयरस्टाइल भी उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। उन्होंने बालों को खुला रखा है। लहराती हुई जुल्फों के साथ पोज देते हुए मौनी बला की खूबसूरत लग रही हैं।

मौनी रॉय की तस्वीरों पर नेटिजंस के ढेर सारे रिएक्शन आ रहे हैं। यूजर्स उन्हें भारतीय कल्चर का चांद कह रहे हैं तो कोई लिख रहा है, आपके ऊपर सभी लिबास अच्छे लगते हैं, मगर

साड़ी की बात ही अलग है।

मौनी की निजी जिंदगी की बात करें तो पति सूरज नांबियार के साथ उनका सेपरेशन हो गया है। बता दें कि दोनों ने साल 2022 में गोवा में शादी की थी।

टॉक्सिक की रिलीज तारीख का ऐलान, राया बनकर 26 अगस्त को सिनेमाघरों में दहाड़ेंगे यश

कन्नड़ सुपरस्टार यश ने फादर्स डे पर अपने फैंस को तोहफा दिया है। उन्होंने अपनी आने वाली एक्शन फिल्म टॉक्सिक की नई तारीख का एलान किया है। इस अपडेट ने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है।

फैंस यश की फिल्म टॉक्सिक की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज कई बार टल चुकी है। पहले इसे 19 मार्च को रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे 4 जून के लिए टाल दिया गया। हालांकि, उस तारीख पर भी फिल्म रिलीज नहीं हो पाई और तब से कोई नई घोषणा नहीं हुई है। लेकिन मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

रविवार को यश ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर टॉक्सिक का नया पोस्टर शेयर किया है और फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अपडेट दिया। उन्होंने कैप्शन में रिलीज डेट का खुलासा करते हुए लिखा है, अपने पिता का सम्मान करें।।। टॉक्सिक दुनिया भर के सिनेमाघरों में 26-08-2026 से।

महीनों पहले यश ने इंस्टाग्राम पर एक बयान जारी करके दूसरी बार हुई देरी के बारे में बताया। उन्होंने लिखा, कुछ फिल्में हम बनाते हैं, और कुछ फिल्में हमें याद दिलाती हैं कि हमें सिनेमा से प्यार क्यों हुआ। टॉक्सिक भी ऐसी ही एक यात्रा रही है। सिनेमाकॉन में अपनी फिल्म को पेश करना और दुनिया भर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स को देखना इस बात की पुष्टि करता है कि हम हमेशा से क्या मानते आए हैं कि यह फिल्म दुनिया भर में अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने की हकदार है।

गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की हुई फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ की गई है। फिल्म के हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम डब वर्शन भी प्लान किए गए हैं। यह फिल्म गोवा पर आधारित है और 1940 से 1970 के दशक तक फैले एक ड्रग कार्टेल के उभार की कहानी दिखाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यश इसमें डबल रोल निभा रहे हैं और उन्होंने मोहनदास के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट भी लिखी है।

टॉक्सिक में यश अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म को और भी खास बनाती है इसमें शामिल महिला किरदारों की दमदार लिस्ट। नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया जैसी हसीनाएं इसमें अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिलहाल यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं 28 अगस्त को श्रद्धा कपूर की फिल्म ईथा को रिलीज होगी। यह देखना और भी दिलचस्प होगा कि क्या श्रद्धा की फिल्म रिलीज होने से पहले यश का एक्शन ड्रामा बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ पाएगी या नहीं।

निकिता दत्ता ने 'कबीर सिंह' को बताया करियर का टर्निंग प्वाइंट, कहा- इस फिल्म ने मुझे जरूरी बदलाव दिया

शाहिद कपूर की कबीर सिंह को रिलीज हुए सात साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने करियर पर इस फिल्म के लंबे समय तक रहने वाले असर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने इंडस्ट्री में उनके बारे में लोगों की सोच बदल दी और बॉलीवुड में लीड रोल पाने का रास्ता बनाया।

निकिता ने 'कबीर सिंह' को अपने करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया। फिल्म ने उनके करियर पर कैसे असर डाला इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि कबीर सिंह मुझे तब मिली जब मैं फिल्मों में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थी।

कबीर सिंह के बाद कास्टिंग के मामले में मुझे अलग नजरिए से देखा जाने लगा। मैंने लीड रोल वाली अपनी पहली दो फिल्में साइन कीं। इस फिल्म ने मुझे वह बदलाव दिया जिसकी मुझे जरूरत थी।

फिल्म में शाहिद कपूर के साथ काम करने के अपने अनुभव को निकिता ने साझा किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म ऐसी थी, जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया और जिस पर काफी चर्चा हुई। हालांकि, फिल्म की शूटिंग के दौरान कभी भी फाइनल रिजल्ट के बारे में नहीं सोचा। मैंने फिल्म को दिन-दर-दिन के हिसाब से किया। बस हर सीन में जो कर सकती थी, वह करने की कोशिश की। यह वांगा सर का विजन था जिसकी वजह से ऐसा रिजल्ट मिला। शूटिंग के दौरान शाहिद का फोकस तारीफ के काबिल था।

निकिता जल्द ही नजदीकियां में मुख्य भूमिका निभाती नजंर आएंगी। यह प्राइम वीडियो इंडिया की आने वाली सीरीज है, जिसे धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। यह प्रोजेक्ट धर्माटिक के साथ उनका पहला कोलेबोरेशन है।

धर्माटिक करण जौहर का डिजिटल कंटेंट डिवीजन है। सीरीज से जुड़ने के बारे में बात करते हुए दत्ता ने कहा कि मुझे लगता है कि करण जौहर आज के समय में फैमिली-रोमकॉम के जीनियस हैं। जब से मैंने एक्टिंग शुरू की है, उनकी ड्रामेडी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। जब मुझे यह ऑफर मिला, तो इसे ठुकराने का कोई सवाल ही नहीं था।

आज के दौर के रिश्तों पर आधारित ड्रामा नजदीकियां में निकिता मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और ताहा शाह भी हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो इंडिया पर स्ट्रीम होगी। निकिता दत्ता को आखिरी बार ज्वेल थीफ - द हीस्ट बिगिन्स में देखा गया था, जिसमें उन्होंने सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ काम किया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com